संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 09
पृष्ठ 8
बुधवार
25 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह खाली पेट हल्दी का...

विचार- अभिव्यक्ति की आजादी के लिए जरूरी...

खेल- विमेंस टी२० वर्ल्ड कप २०२४ को...

यूपी में खाने की दुकानों पर नेमप्लेट अनिवार्य

जूस, दाल और रोटी में पसीना-थूक-मूत्र मिलाने पर एक्शन में योगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में आए दिन खाने पीने वाली चीजों में मल, मूत्र, पसीना, मिलाने को लेकर योगी सरकार अब सख्त नजर आ रही है। ऐसे ढाबों,रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जाएगी इसके साथ ही यहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों का पुलिस वेरिफेकेशन कराया जाएगा। खान-पान की चीजों की शुद्धता-पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यक संशोधन के निर्देश दिए। खान-पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि का नाम और पता डिस्प्ले करना होगा अनिवार्य। शेफ हो या वेटर, लगाना होगा मास्क और ग्लव्स, होटल/रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य होगा। प्रदेश में आए दिन जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे प्रयास कतई स्वीकार नहीं। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाएं। हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे प्रयास कतई स्वीकार नहीं। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाएं। ढाबों और रेस्टोरेंट की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेश में अभियान चलाकर संचालकों का वैरिफिकेशन किया जाए। इसे खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस और प्रशासन की टीम जल्द से जल्द करे। खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर के नाम और पता डिस्प्ले किया जाए। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए। खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर, बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी ब्ज्ट से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा। जरूरत पड़ने पर पुलिस को उपलब्ध कराएगा। खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। शेफ और वेटर को मास्क और ग्लव्स पहनना जरूरी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। लोगों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने से जुड़े नियमों को और सख्त किया जाए। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई हो। गौरतलब है कि गाजियाबाद के लोनी में जूस में पेशाब मिलाकर बेचने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई के लिए कहा था। उन्होंने विधायक नंद किशोर गुर्जर से इस मामले में अब तक हुई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी थी, उन्होंने कहा कि ऐसा करना नीचता का काम है। आरोपितों पर सख्त कार्रवाई हो, इस तरह की हरकत करने वालों को बख्शा नहीं जाए। हाल में ही में लोनी बॉर्डर के इंद्रापुरी में खुशी जूस कार्नर पर जूस में पेशाब मिलाकर बेचा जा रहा था। इस मामले में लोगों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित आमिर और उसके बाल अपचारी साथी को गिरफ्तार किया है। इस मामले को लेकर लोगों में गुस्सा है, उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि वहां पर जो दुकान थी, उसको हटवा दिया गया है।

तिरुपति लड्डू विवाद में मोदी सरकार का बड़ा एक्शन!

कंपनी को थमाया शो कॉज नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। तिरुपति लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल को लेकर उठे विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को घी सप्लाई करने वाली कंपनियों में से एक एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मंत्रालय को चार कंपनियों से नमूने मिले थे और गुणवत्ता परीक्षण करने पर पता चला कि एक कंपनी का नमूना परीक्षण में फेल हो गया, जिससे मिलावट का पता चला। नोटिस भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI), सरकार की नियामक संस्था द्वारा तमिलनाडु स्थित एक फर्म को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को घटिया घी की आपूर्ति करने के आरोप में भेजा गया। नोटिस में खाद्य नियामक ने ए आर डेरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से पूछा कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमन 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसका केंद्रीय लाइसेंस निलंबित क्यों न कर दिया जाए। नोटिस के अनुसार एफएसएसएआई ने कहा कि उसे मंगलागिरी (आंध्र प्रदेश) स्थित प्रिवेंटिव मेडिसिन संस्थान के निदेशक से जानकारी मिली है कि डिंडीगुल स्थित ए आर डेरी फूड प्राइवेट लिमिटेड पिछले चार वर्षों से तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी की आपूर्ति कर रही है। मामला तब प्रकाश में आया जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को दावा किया कि पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में परोसे जाने वाले लड्डू की तैयारी में पशु वसा सहित घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। मुख्यमंत्री ने बाद में कथित घटना की जांच के लिए एसआईटी के गठन की घोषणा की जिसमें प्रसिद्ध 'प्रसादम' में पशु वसा शामिल थी।

> मंत्रालय को चार कंपनियों से नमूने मिले थे और गुणवत्ता परीक्षण करने पर पता चला कि एक कंपनी का नमूना परीक्षण में फेल हो गया, जिससे मिलावट का पता चला

रामलला को पहनाया गया 'ऐपण' से सुसज्जित परिधान उत्तराखंडवासियों के लिए 'सौभाग्यशाली क्षण' : धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामलला की प्रतिमा को विश्वविख्यात 'ऐपण कला' से सुसज्जित रेशमी शुभवस्त्रम पहनाया जाना उत्तराखंडवासियों के लिए एक 'सौभाग्यशाली क्षण' करार दिया। भगवान राम के इन वस्त्रों को प्रदेश के कुशल शिल्पकारों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रेरणा से तैयार किया। धामी वस्त्रों को स्वयं अयोध्या लेकर गए और श्रीराम मंदिर में भेंट किया। इस शुभवस्त्रम् पर न केवल प्रदेश की 'ऐपण कला' नजर आती है बल्कि इसमें निहित भक्ति और श्रम साधकों की अद्वितीय शिल्पकला का अद्भुत समन्वय भी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर शुभवस्त्रम में रामलला की तस्वीर साझा करते हुए इसे सभी उत्तराखंडियों के लिए अत्यंत सौभाग्यशाली क्षण' करार दिया। उन्होंने कहा, "अयोध्या में श्री रामलला के दिव्य विग्रह पर देवभूमि उत्तराखंड की ऐपण कला से सुसज्जित शुभवस्त्रम समस्त देवभूमिवासियों की प्रभु श्रीराम के प्रति असीम श्रद्धा एवं आस्था का अनुपम प्रतीक है।

केजरीवाल के खिलाफ बहुत षडयंत्र रचे गए : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी(आप), दिल्ली सरकार, दिल्ली की जनता और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बहुत षड्यंत्र रचे गए लेकिन हनुमान जी ने हर संकट से रक्षा की। सुश्री आतिशी ने आज यहां कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दर्शन किए, पूजा-अर्चना की और सभी की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने 'एक्स'पर कहा,"कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। पिछले दो सालों में आम आदमी पार्टी, दिल्ली सरकार, दिल्ली की जनता और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल के ख़िलाफ़ बहुत षड्यंत्र रचे गए। लेकिन हनुमान जी ने हर संकट से हमारी रक्षा की। संकट मोचन से यही प्रार्थना है कि, उनका आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे, हम दिल्लीवालों के काम करते रहें और आने वाले चुनाव के बाद एक बार फिर अरविंद केजरीवाल जी दिल्ली के मुख्यमंत्री बनें।" मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि, ष्हनुमान जी हमारे संकट मोचन रहे है। पिछले दो सालों में आम आदमी पार्टी पर, दिल्ली सरकार पर, हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी पर हमारे दुश्मनों द्वारा हर तरह के हमले हुए। उन्होंने कोशिश की कि, हमें तोड़ दें, हमें दबा दें, हमें चुप करा दें, दिल्ली वालों के काम रोक दें।" उन्होंने कहा कि हनुमान जी ने हर संकट में 'आप'की,श्री जरीवाल की,दिल्ली सरकार की और दिल्लीवालों की रक्षा की। सुश्री आतिशी ने कहा, ''आज हनुमान जी से मैंने यही प्रार्थना की कि, जिस तरह से उनका आशीर्वाद हमेशा हम सभी पर बना रहा है, वैसे ही बना रहे। हम उनके आशीर्वाद के साथ दिल्लीवालों के काम करते रहें और उनके आशीर्वाद के साथ आने वाले चुनाव में अरविंद केजरीवाल जी को वापस दिल्लीवालों का मुख्यमंत्री बनाए।''

मेडिकल दाखिला: एनआरआई आरक्षण शर्तो में संशोधन रद्द करने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई मुहर

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के मेडिकल कॉलेजों में प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के दाखिले संबंधी आरक्षण की शर्तों में संशोधन वाली राज्य सरकार की अधिसूचना रद्द करने का उच्च न्यायालय का फैसला न्यायोचित करार देते हुए उसे चुनौती देने वाली तीन याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संशोधित शर्तों को श्धोखाधड़ीश करार देते हुए कहा इससे देश की मेडिकल शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में गिरावट आएगी। पंजाब सरकार ने 20 अगस्त को एक अधिसूचना के जारी करके एनआरआई आरक्षण का दायरा बढ़ा दिया था,

जम्मू-कश्मीर के रईसी में सड़क हादसा, इलेक्शन ड्यूटी से जुड़े 2 लोगों की मौत

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में चुनाव ड्यूटी में लगा एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। डीसी रियासी विशेष महाजन ने दुर्घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना रियासी जिले के गुलाबगढ़ इलाके में टुकसन के पास हुई। जम्मू-कश्मीर में 25 सितंबर को विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदान होना है, जिसके मद्देनजर राजौरी जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर कई इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है और वाहनों की जांच की जा रही है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में जम्मू-कश्मीर के छह जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे।

मोदी ने न्यूयॉर्क में आर्मेनियाई प्रधानमंत्री, होली सी के शीर्ष अधिकारी से मुलाकात की

न्यूयॉर्क/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान और होली सी के विदेश सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन से मुलाकात की। आर्मेनियाई प्रधानमंत्री के साथ यह मुलाकात ऐसी रिपोर्ट के बीच हुई है कि आर्मेनिया 2020 में हस्ताक्षरित 20 लाख डॉलर की रक्षा साझेदारी के हिस्से के रूप में आकाश-1एस वायु रक्षा प्रणाली सहित भारत निर्मित हथियार प्रणालियों की महत्वपूर्ण खरीद कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, आर्मेनिया को 2024 के अंत में भारत में विकसित आकाश-1एस वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की जाएगी। आर्मेनिया ने 2022 में 72 करोड़ डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था और वह इस प्लेटफॉर्म का पहला विदेशी खरीदार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले चार वर्षों में आर्मेनिया भारत से हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "आज सुबह संयुक्त राष्ट्र में समिट ऑफ द फ्यूचर के दौरान आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान से मिलकर बहुत अच्छा लगा।" श्री मोदी ने होली सी के अधिकारी के साथ अपनी मुलाकात पर कहा, "न्यूयॉर्क में होली सी के विदेश सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई।"

भविष्य में समुद्री खतरे बढ़ेंगे, हमें सतर्क और तैयार रहने की जरूरत : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आजकल के अप्रत्याशित दौर में पारंपरिक और नये उभरते खतरों से निपटने के लिए भारतीय तटरक्षक के मानव-उन्मुख से प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने की आवश्यकता पर जोर दिया है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन के 41 वें संस्करण का उद्घाटन किया। तीन दिन का यह सम्मेलन उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और समुद्री सुरक्षा की जटिलताओं की पृष्ठभूमि में तटरक्षक कमांडरों के लिए रणनीतिक, संचालन तथा प्रशासनिक मामलों पर सार्थक चर्चा में शामिल होने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। तटरक्षक मुख्यालय में वरिष्ठ कमांडरों को संबोधित करते हुए उन्होंने आज के अप्रत्याशित समय में पारंपरिक और साथ ही उभरते खतरों से निपटने के लिए तटरक्षक बल के मानव-उन्मुख से प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मदरसा कांड के चारों आरोपियों से पूछताछ शुरुः प्रयागराज की नैनी जेल से पुलिस लाइन लाए गए, मौलवी की देखरेख में छप रहे थे जाली नोट, हो रहे सवाल

प्रयागराज। प्रयागराज के मदरसे में 100–100 के नकली नोट छापने के आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर हो गई है। सभी चार आरोपी नैनी सेंट्रल जेल में बंद हैं। पुलिस टीम चारों को लेकर पहले सिविल लाइंस थाने पहुंची। कुछ देर बाद उन्हें पुलिस लाइन ले जाया गया। पुलिस लाइन में आरोपियों से पुलिस अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। नैनी सेंट्रल जेल से चारों आरोपियों को सिविल लाइन लाया गया। मौलवी समेत चारों आरोपियों से केस से जुड़े तमाम सवाल पूछे जा रहे हैं। आरोपियों पर जाली नोट के अलावा मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों का ब्रेन वॉश करने का भी आरोप है। इसके अलावा ये कहां–कहां जाली नोट खपाते थे? इनके नेटवर्क में और कौन–कौन जुड़ा था? क्या कोई विदेशी फंडिंग की जा रही थी या विदेश से इनका कोई लिंक है? इन सवालों पर पड़ताल की जाएगी। आरोपियों से एविडेंस के लिए भी सवाल जवाब होंगे। गौरतलब हो कि जाली नोटों की खेप पकड़े जाने के बाद IB की टीम ने भी जांच पड़ताल की थी। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि खुफिया सुरक्षा एजेंसी भी आरोपियों से पूछताछ कर सकती है। पुलिस के साथ ही आईबी भी इस मामले की पड़ताल में जुटी है। इतने सनसनीखेज मामलों का खुलासा होने के बाद पीडीए ने मदरसे को सील कर दिया था। अवैध निर्माण किए जाने को लेकर पीडीए ने दो नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मदरसे पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी भी थी। हालांकि मदरसा कमेटी ने 100 पन्नों की रिपोर्ट पीडीए को सौंप सफाई दी है। अब पीडीए जांच कर रहा है। इस मामले में सिविल लाइंस थाने की पुलिस चार्जशीट से पहले आरोपियों को रिमांड पर लेकर कई राज को खोलना चाहती है। नकली नोटों की बरामदगी के बाद पुलिस को आरोपियों को जेल भेजना पड़ा था। मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम में जाली करेंसी छापने, RSS आतंकी संगठन शीषर्क किताबों के जरिए छात्रों का ब्रेन वॉश करने का मामला काफी तूल पकड़ गया था। पुलिस, खुफिया एजेंसियों की की पड़ताल के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण यानि पीडीए ने मदरसे के खिलाफ एक्शन शुरू किया था। प्रयागराज के मदरसा में जाली करेंसी छापने के साथ ही प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन 70 बच्चों का ब्रेनवाश करता था। उन्हें पढ़ाता था । जाली करेंसी मामले की जांच के लिए प्ठ की टीम 28 अगस्त को मदरसा पहुंची। मौलवी के कमरे की जांच में कई आपत्तिजनक किताबें और तस्वीरें बरामद कीं। ै से जुड़े कुछ डॉक्युमेंट और किताबें भी मिली हैं। जिसमें ब्रेनवाश के मामले का खुलासा हुआ। खुफिया एजेंसियों ने इसे लेकर जांच तेज कर दी है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन किताबें मिलने की बात मानी है। उनका कहना है कि मामले की जांच प्ठ कर रही है। मदरसा अतरसुइया थाने से महज एक किलोमीटर दूर है। नाम की किताब मिलीप्ठ की टीम को मदरसे से जो किताबें मिली हैं, उनमें एक किताब का नाम है– ै देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन। इसके लेखक ैड मुशर्रफ, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (महाराष्ट्र) हैं। मूल किताब उर्दू भाषा में लिखी गई है। इसके हिंदी और मराठी अनुवाद वाली भी किताबें हैं। यह किताब मदरसे के कार्यवाहक प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन के कमरे से मिली है। मौलवी के कमरे से कई स्पीड पोस्ट की पर्चियां मिली हैं। पर्चियों के आधार पर पुलिस एड्रेस वेरीफाई कर रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि कहां क्या भेजे जाते थे? किताब में मुंबई के 26ध्11 हमले को हिंदू अटैक बताया गया है। पाकिस्तान के डॉन अखबार ने किताब की तारीफ में लेख लिखा था। डॉन ने लिखा था कि इंडिया का एक IG खुद कह रहा है कि ये हमला पाकिस्तान ने नहीं किया था। उर्दू किताब का पुलिस हिंदी अनुवाद करा रही है। मदरसा जामिया हबीबिया करीब 84 साल पुराना है, जो बगैर मान्यता के सोसाइटी रजिस्ट्रेशन पर चल रहा। मदरसे की पहली मंजिल पर एक कमरे में 100–100 के नकली नोट छापे जा रहे थे। छापेमारी कर 28 अगस्त को पुलिस ने इसका पर्दाफाश किया। पुलिस ने मदरसे में छापेमारी के मास्टरमाइंड जहीर खान, मौलवी तफसीरुल आरीफीन और 2 अन्य को गिरफ्तार किया था। मदरसे में करीब 70 बच्चे पढ़ाई करते हैं। यहां बच्चों के रहने के लिए हॉस्टल और खाने–पीने का भी इंतजाम है। इस मदरसे में यूपी के अलावा बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित 6 राज्यों के बच्चे पढ़ते हैं।

मंदिर से 100 वर्ष पुरानी राधा-कृष्ण की अष्टधातु की मूर्ति चोरी, महंत ने फल-जल का किया त्याग

प्रयागराज। नवाबगंज के गऊघाट आश्रम स्थित प्राचीन मंदिर का ताला तोड़कर उसमें विराजमान राधा–कृष्ण की अष्टध ातु की मूर्ति बदमाश चोरी कर ले गए। भोर में मंदिर के महंत जब जल चढ़ाने गए तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पुलिस के अधिकारियों को दी गई। एसीपी सोरांव एसओजी के साथ मौके पर पहुंच गए। मंदिर में मिले आधार कार्ड व डायरी के आधार पर पुलिस एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शृंग्वेरपुरधाम से दो किमी दूर गऊघाट आश्रम है। इसका संचालन फलाहारी संत स्वामी जयराम दास महाराज करते हैं। सोमवार को जब गंगा स्नान के बाद वह जल चढ़ाने पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा था। अंदर से 100 वर्ष पुरानी अष्टधातु की दो मूर्तियां गायब

थीं। महंत ने इसकी सूचना आश्रम के अन्य संतों को देने के पश्चात पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी। सूचना पर एसीपी सोरांव जंग बहादुर यादव, एसओजी प्रभारी सुखचौन तिवारी, इंस्पेक्टर नवाबगंज समेत फोरेंसिक और डाग स्क्वायड मौके पर पहुंच गई। महंत की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच–पड़ताल में जुट गई। मौका मुआयना के दौरान पुलिस को मंदिर परिसर से एक आध ार कार्ड, डायरी आदि बरामद हुए। पुलिस ने इसके आधार पर मानिकपुर थाना क्षेत्र से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। गऊघाट आश्रम स्थित मंदिर से अष्टधातु की दो मूर्तियां चोरी होने से फलाहारी संत स्वामी जयराम दास आहत हैं। चोरी के बाद उन्होंने फल और जल त्याग दिया है। जानकारी होने पर एसीपी जंगबहादुर यादव व आसपास के ग्रामीण उन्हें मनाने पहुंचे थे, लेकिन वह नहीं माने। आश्रम की सुरक्षा के लिए परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मुख्य पुजारी महंत शिवरामदास ने बताया कि ऐसा आभास हो रहा है कि घटना को अंजाम देने के लिए चोरों ने कैमरे में छेड़छाड़ की है। रविवार रात 12 से दो बजे के बीच चोरी की गई है। 11:10 बजे तक सीसीटीवी कैमरे चल रहे थे,

उसके बाद बंद कर दिया गया। दोबारा भोर में चार बजे इसे चालू किया गया है। स्वामी जयराम दास महाराज ने कहा कि पहलवान स्वामी के समय की 100 वर्ष पुरानी अष्टधातु की मूर्ति है। मन दुखी है, इसलिए फल और जल का त्याग किया है। पुलिस अपना काम कर रही है, आशा है जल्द ही मूर्ति बरामद होगी।

प्रयागराज में ट्रक ने 5 छात्राओं को कुचला, 1 मौतएक बच्ची पहिए के नीचे 1 घंटे दबी रहीय लोगों ने ट्रक में आग लगाई

प्रयागराज। प्रयागराज में ओवरलोड ट्रक ने स्कूल से लौट रहीं 5 छात्राओं को कुचल दिया। एक छात्रा ने तुरंत दम तोड़ दिया। दूसरी छात्रा ट्रक के पहिए के नीचे करीब एक घंटे फंसी रही। दबी छात्रा को बुलडोजर से निकाला गया। चारों छात्राओं को हॉस्पिटल ले जाया गया। हादसे से गुस्साए स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। रोड जाम कर हंगामा किया। ट्रक में तोड़फोड़ की। इस बीच ड्राइवर मौका पाकर ट्रक छोड़कर भाग गया। जैसे ही दबी छात्रा निकाली गई, गुस्साए लोगों ने ट्रक से डीजल निकालकर उसमें आग लगा दी। थोड़ी ही देर में आग काफी तेज फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए पुलिस ने फायर ब्रिगेड बुलाई, तो गुस्साए लोग फायर ब्रिगेड कर्मचारियों से भिड़ गए। उन्हें भगाने की कोशिश की। इंस्पेक्टर से भी जमकर बहसबाजी हुई। फिलहाल मिर्जापुर हाईवे को लोगों ने जाम कर दिया है। ट्रक जल रहा है। फायर ब्रिगेड को लोग आग बुझाने नहीं दे रहे हैं। तनाव के चलते 4 थानों की फोर्स बुलाई गई है। लोगों का कहना है– पुलिस के पास दबी छात्रा को बचाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। दो घंटे तक सिर्फ दिखावा करती रही। बुलडोजर से शुरुआत में ट्रक को उठाने की कोशिश की गई। काफी देर बाद क्रेन आई, तब जाकर बच्ची को निकाला जा सका। हादसे के बाद 4 घंटे से अफरातफरी का आलम है। पुलिस ने मौके से ग्रामीणों को भगाया, तो आगे जाकर भीड़ मिर्जापुर–प्रयागराज मार्ग पर जाम लगाकर बैठ गई। मेजा के अलावा मांडा, खीरी, करछना थानों की फोर्स पहुंची और हालात काबू करने की कोशिश कर रही है। दोनों साइड से वाहनों का आवागमन बंद करा दिया गया है। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंच गई है, जबकि दूसरी को ग्रामीणों ने रोक लिया है।

यूपी में दो ट्रेनों पर पथरावः प्रयागराज में सीमांचल में बैठा यात्री घायलय मिर्जापुर में महाबोधि पर फेंके पत्थर

प्रयागराज। यूपी में सोमवार रात 2 ट्रेनों पर पथराव हुआ। प्रयागराज में आनंद विहार से बरौनी (बिहार) जा रही सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। इसमें एक यात्री घायल हो गया। दूसरी घटना मिर्जापुर में महाबोधि एक्सप्रेस की है। यहां भी ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। सीमांचल एक्सप्रेस सोमवार शाम 5.30 बजे प्रयागराज जंक्शन से रवाना हुई। शाम 5.40 बजे यमुना ब्रिज से पहले उस पर पथराव शुरू हो गया। ट्रेन पर 10 से ज्यादा पत्थर फेंके गए। घटना में गेट पर बैठे सुजीत कुमार को पत्थर लग गया। उसका दांत टूट गया और होंठ कट गए। मिर्जापुर पहुंचने पर उसका इलाज किया गया। सुजीत उसी ट्रेन से आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गया। प्रयागराज RPF प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया– घायल सुजीत बिहार के बेगूसराय का रहने वाला है। घटना के समय वह स्लीपर कोच ै–3 के गेट पर बैठा था। इलाज कराकर उसे रवाना कर दिया गया है। घायल सुजीत के भाई ने बताया– हम लोग परिवार समेत दिल्ली से बरौनी जा रहे थे। हमारे पास 3 कंफर्म और 5 वेटिंग टिकट था। यमुना ब्रिज पर जैसी ही ट्रेन पहुंची, 2–3 युवकों ने हमें पत्थर फेंक कर मारे। गेट पर बैठे मेरे चाचा के लड़के सुजीत के होंठ पर एक पत्थर आकर लगा। उसका एक दांत टूट गया और होंठ पर भी गहरा घाव हो गया। हमारे बड़े पापा का देहांत हो गया, इसलिए हम लोग बरौनी लौट रहे थे। RPF के SI अशोक कुमार ने बताया– गया से नई दिल्ली जाने वाली महाबोधि एक्सप्रेस (12397) ट्रेन ने शाम 7.21 बजे मिर्जापुर में एंट्री की, तभी गार्ड ने कंट्रोल रूम में सूचना दिया कि गार्ड लॉबी में गिट्घ्टी आकर लगी है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर मारा है। हालांकि, गार्ड ने किसी को पत्थर मारते देखा नहीं है, न ही किसी को गिट्घ्टी लगी है। गार्ड के बयान के आधार पर त्थ् ने मामला दर्ज किया। अभी 2 दिन पहले रविवार को कानपुर में ट्रेन को पलटने की साजिश की गई थी। प्रेमपुर स्टेशन के पास ट्रैक पर एक छोटा सिलेंडर रखा मिला। शुक्र था कि ड्राइवर की पहले ही नजर पड़ गई। उसने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। ठीक 10 फीट पहले गुड्स ट्रेन रुक गई।

घटना सुबह 5.50 बजे की कानपुर से 35 किमी दूर प्रेमपुर रेलवे स्टेशन की है। यूपी में 38 दिनों में ट्रेन पलटाने की यह 5वीं साजिश थी। इससे पहले कानपुर में ही 8 सितंबर को कासगंज रूट पर भरा सिलेंडर रखकर कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश रची गई थी। ट्रैक के पास बोतल में पेट्रोल और बारूद रखा मिला था।

भगतसिंह के विचारों को घर-घर पहुंचाएगा दिछासं: प्रयागराज शहर में चल रहा सात दिवसीय संकल्प यात्रा अभियान

प्रयागराज। शहीद–ए–आजम भगतसिंह के 117वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में दिशा छात्र संगठन द्वारा शहर भर में श्संकल्प अभियानश शुरू किया गया है। सात दिवसीय यह अभियान 29 सितंबर तक चलेगा। इसके तहत दिशा छात्र संगठन की ओर से में पुस्तक प्रदर्शनी, पोस्टर प्रदर्शनी, नुक्कड़ सभा, नुक्कड़ नाटक, फिल्म शो, परिचर्चा और साइकिल जुलूस संगठित किया जायेगा। इस अभियान के पहले दिन प्रभात फेरी निकली गयी और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कक्षावार अभियान चलाकर व्यापक पर्चा वितरित किया गया। प्रभात फेरी सुबह प्रयाग रेलवे स्टेशन से शुरू होकर एलनगंज, हाशिमपुर रोड होते हुए बघाड़ा पुलिस चौकी पर खत्म हुई। इस दौरान क्रांतिकारी गीत गाते हुए पर्चा वितरित किया गया और भगत सिंह के विचारों से लोगों को परिचित कराया गया। अभियान के उद्देश्यों पर बात करतें हुए चंद्रप्रकाश ने कहा कि हम इसके जरिये भगतसिंह के सपनों और विचारों को घर–घर ताक पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। आम तौर पर भगतसिंह को बम और पिस्तौल की बात करने वाले बहादुर नौजवान के रूप में प्रचारित किया जाता है लेकिन उनके सपनों और विचारों की बात नहीं होती है। 23 साल की उम्र में कुर्बान होने वाले भगतसिंह सर्वोपरि एक क्रांतिकारी विचारक और दर्शानिक थे।

जमीन दिलाने के नाम पर से 1.30 रुपये लाख की ठगी

प्रयागराज। एक अधिवक्ता को जमीन दिलाने के नाम पर 1. 30 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित को न तो जमीन मिली और न ही रुपये। आरोप है कि आरोपित ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। न्यायालय के आदेश पर कर्नलगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी हैं। अधिवक्ता अशोक कुमार ने कर्नलगंज पुलिस को बताया कि हंडिया के उतरांव के बसीगत गांव निवासी मोहम्मद रौनक ने जमीन की चर्चा की थी। रौनक ने सहसों के पास एक प्लाट दिखागया था। प्लाट 12 लाख रुपये में तय हुआ। पीड़ित ने 60 हजार रुपये बयाना के तौर पर दे दिया। इसके बाद उसने 30 हजार रुपये और दिये। 14 मार्च 2023 को पीडित से 40 हजार रुपये और डलवा लिये गये। आरोपित बोला कि प्लाट में बाउंड्री करवाना है। पीड़ित जब जमीन देखने गया तो वहां कोई बाउंड्री नहीं थी। पीड़ित ने काल कर संपर्क किया तो बताया गया कि वह प्लाट बिक गया है। उसने पैसे की मांग की तो आरोपित ने बलीपुर चौराहे के पास बुलाया। जहां आरोपित दो अज्ञात साथियों के साथ मिलकर गाली गलौज व मारपीट की। पीड़ित ने डाक सेवा के माध्यम से कर्नलगंज एवं उतरांव थाने में प्रार्थना पत्र दिया था। काररवाई न होने पर कोर्ट की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर कर्नलगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

कक्षा नौ से 12 तक में एक करोड़ से बच्चों का दाखिला

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के 27 हजार से अधिक स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024–25 में अब तक कुल 1,08,58,962 पंजीकरण हो चुके हैं। यह संख्या अभी बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए छात्र–छात्राओं के विवरण ऑनलाइन अपलोड करने की अंतिम तिथि 25 सितंबर है। बोर्ड की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक कक्षा नौ और 11 में इस साल 54,31,685 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 सितंबर तक कक्षा नौ में 29,22,188 और 11 में 25,09,497 छात्र–छात्राओं का पंजीकरण हुआ है। अब प्रध ानाचार्य 27 सितंबर तक पोर्टल पर विद्यार्थियों के नाम, माता–पिता के नाम आदि में त्रुटि संशोधन करेंगे। उसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक के जरिए पांच अक्तूबर तक बोर्ड के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में फोटोयुक्त नामावली भेजेंगे।

दो दिन परीक्षा हुई तो परिणाम को प्रभावित करेगा मानकीकरण, अभ्यर्थियों ने उठाए सवाल

प्रयागराज। पीसीएस–2024 की प्रारंभिक परीक्षा 27 अक्तूबर को प्रस्तावित है और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पर्याप्त संख्या में केंद्रों की व्यवस्था न हो पाने के कारण इस परीक्षा को दो दिन 26 एवं 27 अक्तूबर को कराने की तैयारी में है। अभ्यर्थी इसका विरोध कर रहे हैं और उनका कहना है कि दो दिन परीक्षा कराने पर मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) परीक्षा परिणाम को प्रभावित करेगा। इस मसले पर अभ्यर्थियों ने सोमवार को जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया और आयोग में भी ज्ञापन देकर अपनी समस्या बताई। अभ्यर्थी सवाल उठा रहे हैं कि जब शासन की ओर से जारी की गई भर्ती परीक्षाओं से संबंधित नई गाइडलाइन में पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने के लिए यूपीपीएससी को विशेष छूट दी गई है और आयोग पूर्व की भांति एक ही दिन में प्रारंभिक परीक्षा क्यों नहीं करा पा रहा है। वहीं, आयोग के सचिव की ओर से पूर्व में सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर बताया जा चुका है कि पर्याप्त संख्या में केंद्रों की व्यवस्था न हो पाने के कारण आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा दो दिन में कराने का विकल्प भी रखा है और इसी वजह से आयोग ने जिलाधिकारियों से 27 अक्तूबर को परीक्षा के लिए प्रस्तावित केंद्रों की लिस्ट 26 अक्तूबर के लिए भी मांग ली है। अगर पर्याप्त संख्या में केंद्रों की व्यवस्था नहीं हो पाती है तो 27 अक्तूबर के लिए जो केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, उन्हीं केंद्रों में 26 अक्तूबर को भी परीक्षा करा ली जाएगी। दरअसल, परीक्षा केंद्र निर्धारण के नियम सख्त किए जाने और निजी शिक्षण संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने पर रोक लगा दिए जाने से परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण बड़ी समस्या बन गई है और इसी वजह से भर्ती संस्थाओं के लिए दूसरी चुनौतियां भी बढ़ गईं हैं। वहीं, अभ्यर्थियों का कहना है कि दो दिन परीक्षा कराने पर एक समान मूल्यांकन नहीं हो सकेगा। पीसीएस–2024 के विज्ञापन में मानकीकरण का कोई प्रावधान भी नहीं किया गया है। मानकीकरण की समस्या ने पूर्व में भी विभिन्न परीक्षा परिणामों में बाधा उत्पन्न की है और यह उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग समेत अन्य आयोगोंध बोर्ड में विधिक विवाद का विषय रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि पीसीएस–2022 में 6,02,974 अभ्यर्थी थे और प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में करा ली गई थी, जबकि पीसीएस–2024 में इससे कम 576154 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं तो परीक्षा दो दिन कराने की क्या जरूरत है। अभ्यर्थी चाहते हैं कि पूर्व की भांति इस बार भी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराई जाए।

माफिया अतीक के छोटे बेटे अबान का वीडियो सामने आया: पिता की स्टाइल में बैठा नजर आया सबसे छोटा बेटा अबान, शेयर हो रहा वीडियो

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक और उसके परिवार का यूं किरदार रहा है कि सोशल मीडियो पर फोटो, वीडियो की भरमार होती थी। अतीक–अशरफ और उनके गैंग आईएस–227 के नेस्तनाबूद होने के बाद यह सिलसिला और बढ़ा। माफिया अतीक की मौत के बाद अब उसके छोटे बेटे अबान अतीक का वीडिया सामने आया है। वीडियो में वह पिता अतीक की स्टाइल में बैठा है। वह किसी को कुछ समझा रहा है। सामने नाश्ते की प्लेट रखी है। अबान अतीक की आवाज तो नहीं आ रही है लेकिन बैकग्राउंड में गाना लगा दिया गया है। काफी दिन बाद अतीक के बेटे का वीडियो सामने आने के बाद इसे खूब शेयर किया जा रहा है। अतीक के छोटे बेटे अबान को शहरियों ने बहुत नहीं देखा था। वीडियो में वह काफी बड़ा नजर आ रहा है। चेहरे पर दाढ़ी है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक के बेटे 10वीं में पढ़ने वाले अबान और इंटर में पढ़ने वाले अहजम को राजकीय बालगृह में रखा गया था। दोनों राजकीय बालगृह में थे तभी अतीक–अशरफ की हत्या कर दी गई थी।बाद में अबान और अहजम को बालगृह से उनकी फूफी के सुपुर्द किया गया था। फिलहाल दोनों चकिया के करीब हटवा गांव में रह रहे हैं। यह अशरफ का गढ़ कहलाता है। दोनों भाइयों को सरकारी गनर मिले हुए हैं। बालगृह से निकलने के बाद दोनों की तस्वीरें सामने नहीं आ रही थीं। ऐसे में शहर में चर्चा होती रहती थी कि अतीक के दोनों बेटे कहां हैं, क्या कर रहे हैं। अब पुलिस कार्रवाई कुछ कम हुई है तो उनके वीडियो सामने आने लगे हैं। अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और अशरफ की पत्नी जैनब फात्मा फिलहाल फरार हैं। अतीक का बड़ा बेटा उमर अतीक लखनऊ जेल में बंद है। दूसरे नंबर का बेटा अली नैनी सेंट्रल जेल में बंद है। तीसरे नंबर का बेटा असद एनकाउंटर में मारा जा चुका है।

शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र निवासी एक महिला को पूर्व में दिये गये शिकायती पत्र वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी गयी है। पीड़िता ने सुरेश चन्द्र, सतीश सहित अन्य के खिलाफ कैंट थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। सदर बाजार निवासी कमला देवी ने पुलिस को बताया कि वह अस्पताल से वापस लौट रही थी तभी उक्त लोग गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही।

महिला ने पति सहित दो पर दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में अपनी भाभी के साथ सामान लेने जा रही एक महिला की उसके पति व एक युवती ने पिटाई कर दी। दोनों पर्स छीनकर भाग गए। पीड़िता ने पति सहित दो पर जार्ज टाउन थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जार्जटाउन थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपनी भाभी के साथ सामान लेने के लिए जा रही थी। आरोप है कि तभी उसका पति एक युवक को लेकर बाइक से आया। गाली गलौज करते हुए कहा कि जो साथ में लड़की है उससे शादी कर रहा है। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो दोनों ने पीट दिया। मारपीट में पीड़िता के चोटे आई है। इतना ही नहीं आरोपित ने जान से मारने की नीयत से महिला का गला भी दबाया। आसपास के दुकानदारों व राहगीरों ने बीच बचाव किया।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप से ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स की बढ़ रही मांग

प्रयागराज। बाढ़ का पानी उतरने के साथ शहर व ग्रामीण क्षेत्र में डेंगू का दंश बढ़ने लगा है। पिछले एक सप्ताह से 21 मरीज मिल चुके हैं। मलेरिया विभाग के अनुसार इस समय डेंगू के पांच मरीजों का अस्पताल में और आठ का घर पर इलाज चल रहा है। डेंगू के बढ़ते प्रकोप के चलते प्लेटलेट्स की मांग बढ़ गयी है। ब्लड बैंकों में जहां पहले दस–बीस यूनिट प्लेटलेट्स की रोज मांग रहती थी वहीं इस समय लगभग 200 यूनिट प्लेटलेट्स की मांग है। डेंगू का मरीज यदि सरकारी अस्पताल में भर्ती है तो बेली, कॉल्विन और एसआरएन से मरीज को निरूशुल्क प्लेटलेट्स मिल जाता हैं, जबकि एएमए ब्लड बैंक समेत शहर के अन्य 17 निजी ब्लड बैंक में अलग–अलग दर पर प्लेटलेट्स मिलता है। कॉल्विन अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी कुलदीप ने बताया कि इस समय जितने यूनिट रक्तदान होता है उसका 100 फीसदी प्लेटलेट्स बनाया जाता है। जिससे जरूरत पड़नेपर लोगों को प्लेटलेट्स उपलब्ध कराया जा सके।

संभागीय खो-खो बालिका प्रतियोगिता में करछना ने मारी बाजी-

खेल हमारे बीच प्रेम एकता और सद्भाव के प्रतीक:डॉ.भगवत

करछना।खेल हमारे बीच प्रेम,सद्भाव,एकता का संचार करते हुए समाज को जोड़ता है।आज गंवई क्षेत्र के विद्यालयों में भी कई बच्चे अपने प्रतिभा को निखारते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहें हैं।आगे बढ़ने के लिए उन्हे ढृड संकल्प के साथ अपने हुनर को तराशना जरूरी है।यह बातें रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कालेज में आयोजित करछना की संभागीय बालिका खो–खो प्रतियोगिता के समापन पर पुरस्कार वितरण करते हुए प्रबंधक डॉ.भगवत पांडेय ने कहीं।इसके पूर्व फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घघाटन प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर ने सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि बालिकाएं आज बच्चों से कहीं पीछे नही।शिक्षा के साथ–साथ कई खेलों में उनके प्रदर्शन से विद्यालय और माता पिता का नाम रोशन हो रहा है।प्रतियोगिता के दौरान ऋंगिरिषी इंटर कालेज घटवा,सुभाष चंद्र इंटर कालेज छीतूपुर,सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कालेज भीरपुर,श्रीमाती इंदिरा

गांधी इंटर कालेज अकोढा,केदारनाथ जयसवाल इंटर कालेज नैनी,ब्वायज हाईस्कूल इंटर कालेज नैनी और मेजवान कालेज समेत विद्यालयों ने प्रतिभाग किया।सब जूनियर बालिका प्रतियोगिता में ब्वायज इंटर कालेज की बालिकाओं की टीम नौ अंक अर्जित कर चौंपियन रही,वहीं श्रीमती इंदिरा गांधी को इंटर कालेज की टीम उप विजेता बनी।जूनियर बालिका ग्रुप में सुभाष चंद्र इंटर कालेज छीतूपुर और ब्वायज इंटर कालेज नैनी के बीच कांटे की टक्कर रही।जिसमें छीतूपुर की टीम ने नैनी को 2–0 से हराकर बाजी मारी।सीनियर बालिका वर्ग में मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज करछना और घटवा कालेज के बीच कड़ा मुकाबला हुआ।

जिसमें 3–2 से करछना ने बाजी मारी।विजेता और उप विजेता बालिका खो–खो टीम के खिलाडियों को मेडल और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।खेल प्रभारी बुलंद प्रताप राय की देखरेख में संपन्न हुई प्रतियोगिता में अजय कुमार यादव,बृजेश सिंह,अनिल कुमार,बृजेश कुमार राजेश ने निर्णायक की भूमिका निभाई।राजेंद्र पांडेय स्कोरर रहे और केके त्रिपाठी,कमला शंकर त्रिपाठी ने खेल का आंखों देखा हाल सुनाया।मोहिनी श्रीवास्तव ने स्वागतगीत द्वारा सभी का स्वागत किया।मेजवान कालेज के प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने प्रतियोगिता में मौजूद सभी अतिथियों एवं प्रतिभागी टीमों,एनसीसी अधिकारी समेत टीम के बच्चों,शिक्षकों और सहयोगियों का सफल आयोजन संपन्न कराने हेतु आभार प्रकट किया।इस मौके पर प्रधानाचार्य सूर्यकांत त्रिपाठी निराला,संजीव तिवारी,ओपी मिश्रा,संतोष कुमार,अमित कुमार पांडेय समेत विद्यालय के शिक्षक,कर्मचारी और बडी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

साहित्यकार उमेश शर्मा एवं जया मोहन को साहित्य गरिमा सम्मान कल'

प्रयागराज। मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा द्वारा प्रवर्तित साहित्यांजलि प्रकाशन के तत्वावधान में 25 सितम्बर 2024 को शाम चार बजे से प्रयागराज के दो वरिष्ठ साहित्यकारों का सम्मान किया जाएगा । उक्त जानकारी प्रकाशन के व्यवस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने देते हुए बताया कि वरिष्ठ साहित्यकार उमेश शर्मा और जया मोहन को साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा साहित्य गरिमा सम्मान प्रदान किया जाएगा द्य समारोह शाम चार बजे से छ बजे तक होगा जिसकी अध्यक्षता डॉ बालकृष्ण पाण्डेय करेंगे और मुख्य अतिथि जनकवि प्रकाश जी रहेंगे द्य विशिष्ट अतिथि रंजन पाण्डेय, डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, डॉ राम लखन चौरसिया वागीश होंगे ।

देश के निर्माण में युवाओं का सबसे बड़ा योगदान

प्रयागराज । इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस–24 सितम्बर" के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के

समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा सभी देशों के निर्माण में वहाँ के युवाओं का सबसे बड़ा योगदान होता है। आजादी के बाद एस राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शैक्षिक संस्थानों में स्वैच्छिक राष्ट्रीय सेवा शुरू करने की सिफारिश की थी। इस पर केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने जनवरी, 1950 में अपनी बैठक में विचार किया। जबकि 2 वर्ष बाद भारत सरकार ने पंचवर्षीय योजना के तहत छात्रों के सामाजिक एवं श्रम सेवा पर बल दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने इस विषय पर संज्ञान लिया और फिर शिक्षा मंत्री सम्मेलन में राष्ट्रीय सेवा योजना का मसौदा पेश किया गया। इसके तहत 28 अगस्घ्त, 1959 को एक राष्ट्रीय सेवा समिति की स्थापना की गई। जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम की शुरुआत तत्ष्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने 24 सितंबर, 1969 को 37 विश्ष्वविद्यालयों में किया। अतिथियों और स्वयंसेवकों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुचि दुबे ने, संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार गौतम ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रवीन्द्र प्रताप सिंह ने किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

एक दिवसीय चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज सजीवन रक्षक कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी ह्रदय फेफड़े का पुनर्जीवन जिसे सीपीआर कहते हैं, के द्वारा समय पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करके आप लोगों को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है। अखिल भारतीय महिला परिषद सुबोधिनी सिटी ब्रांच के द्वारा टैगोर टाउन स्थित डॉ सी. पी.शर्मा क्लासेस में आयोजित एकदिवसीय चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम में एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ राजीव गौतम ने सीपीआर के बारे में सचित्र जानकारी देते हुए कहा कि कृत्रिम स्वास्थ्य एवं सीपीआई के द्वारा रुकी हुई सांसों एवं ह्रदय गति को पुनर्जीवित किया जा सकता है। ऑल इंडिया वूमेन्स कांफ्रेंस सुबोधिनी सिटी ब्रांच इलाहाबाद की स्टैंडिंग कमेटी मेंबर डॉ शान्ति चौधरी ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि बिना भोजन के एक माह तक, बिना जल के एक सप्ताह तक जिया जा सकता है लेकिन बिना ऑक्सीजन के क्षण भर जीना मुश्किल । सेवा हमारा सबसे बड़ा धर्म है। दुर्घटनाग्रस्त लोगों को नजरअंदाज न करें बल्कि बेहोश व्यक्ति को सीपीआर एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रदान कर जीवन रक्षा में सहायक हो सकते हैं। राष्ट्रपति पदक से सम्मानित नागरिक सुरक्षा को के रवि शंकर द्विवेदी ने प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) के विषय में महत्वपूर्ण बातें बतायीं। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम की प्रारंभ में डॉ सी.पी. शर्मा ने स्वागत किया और अंत में ए. आई. डब्ल्यू. सी. की सचिव ज्योति श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में संस्था की संरक्षक जमनोत्री गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य डॉ गीता कौरा, सुभाष राठी, प्रिया नारायण, राजलक्ष्मी शुक्ला, डॉ रश्मि शुक्ला का योगदान रहा। सैकड़ो छात्र–छात्राएं इससे लाभान्वित हुए।

लोकपाल ने जन सुनवाई में ग्राम प्रधानों , सचिव व रोजगार सेवको का पक्ष सुना , दिया आवश्यक निर्देश

पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने लोकपाल से किया संवाद , संकट हरनी नदी के सम्बन्ध में दिया सुझाव

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा के जन सुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम में मांधाता ब्लाक के ग्राम भगवानपुर व पूरे लाल तथा आसपुर देवसरा ब्लाक के कोपा ग्राम के प्रधान, पंचायत सचिव व रोजगार सेवको ने शिकायतों के क्रम में अपना पक्ष रखा और बयान दर्ज कराया। वहीं पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने लोकपाल समाज शेखर से संवाद करते हुए संकट हरनी नदी के आगे के कार्य के संबंध मे सुझाव दिया। मांधाता के पूरे लाल के प्रधान रमेश सिंह, सचिव ओम प्रकाश सिंह तथा रोजगार सेवक राम सिंह यादव ग्राम के रवि सिंह के शिकायत द्वारा दर्ज परिवाद के क्रम में लोकपाल के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। सचिव ने अवगत कराया की २६ सितंबर से गौशाला का कार्य नियमानुसार शुरू होगा जिसमे लोकपाल को भी आमंत्रित किया जायेगा। कार्य के शुरू होने के १ सप्ताह के भीतर ग्राम में चौपाल लगाकर मजदूरों के बेरीफिकेशन सहित समस्त समस्याओ का समाधान चौपाल लगाकर लोकपाल की अध्यक्षता में होगा। वही भगवानपुर के प्रधान फरिजुदीन व रोजगार सेवक पति राज कुमार प्रतिभाग किया। गॉव में मिश्रा बस्ती की सड़क व नाली की समस्या व महियामाई के प्राचीन तालाब के कार्य को चौपाल लगाकर हल किया जायेगा। जगवा बस्ती के मजदूरों के घरों मे ट्रांसफार्मर पास होने के बाद भी विद्युत व्यवस्था नही है जिससे मजदूरों के परिवार बुरी दशा में है जिस पर लोकपाल ने सम्बन्धित अधिकारियों से संपर्क करने को कहा।

आसपुर देवसरा ब्लाक के कोपा के प्रधान कामता प्रसाद चौधरी के पुत्र अभिषेक कनौजिया ने ग्राम के कल्लू की शिकायत के संदर्भ में पिता की ओर से पक्ष रखा। जिस पर लोकपाल ने स्वय ग्राम में आकर कार्य को देख कर निर्णय लेने का तय किया। इस अवसर पर जिला अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी विनोद सिंह व समाजसेवी दुर्गेश तिवारी, तकनीकी सहायक हरिकेश व माधव ने सहयोग किया।

दो आरपीएफ जवानों की हत्या के संदिग्ध की एसटीएफ के साथ मुठभेड़ के बाद मौत, एक लाख रुपये का था इनाम

लखनऊ, एजेंसी। पिछले महीने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के दो जवानों की हत्या में कथित रूप से शामिल एक संदिग्ध शराब तस्कर की मंगलवार को गाजीपुर जिले में उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध पर एक लाख रुपये का इनाम था और सोमवार देर रात को वह उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की नोएडा इकाई और गाजीपुर पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए गाजीपुर में जिला अस्पताल लाया गया, जहां मंगलवार सुबह उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान पटना (बिहार) निवासी मोहम्मद जाहिद उर्फ सोनू (25) के रूप में हुई है और उस पर एक लाख रुपये का नकद इनाम था। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था और एसटीएफ अमिताभ यश ने सोमवार देर रात बताया कि 19ध्20 अगस्त की रात को दो आरपीएफ कांस्टेबल जावेद खान और प्रमोद, ट्रेन संख्या 15631 बाड़मेर गुवाहाटी एक्सप्रेस में अवैध शराब की तस्करी को रोकने की कोशिश कर रहे थे, इस दौरान शराब तस्करों ने दोनों कांस्टेबलों की बेरहमी से पिटाई की और उन्हें चलती ट्रेन से फेंक दिया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों कांस्टेबलों की मृत्यु हो गई। एडीजी कानून व्यवस्था और एसटीएफ ने बताया कि मोहम्मद जाहिद इस मामले में वांछित था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक इराज राजा ने बताया, ''मुठभेड़ में पटना निवासी जाहिद उर्फ सोनू घायल हो गया, जबकि दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। राजा ने बताया कि जाहिद आरपीएफ जवानों पर हमले की घटना का मुख्य साजिशकर्ता था। हमें सूचना मिली थी कि वह एक बार फिर दिलदारनगर के पास उसी रास्ते से शराब की तस्करी करने की कोशिश कर रहा है।'' एसपी ने बताया, ''गाजीपुर पुलिस और एसटीएफ की नोएडा इकाई की एक टीम ने जाहिद को घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जाहिद को पहले सीएचसी ले जाया गया और वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के बाद उसकी मौत हो गई। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।'' अधिकारी ने बताया कि 19–20 अगस्त की घटना में शामिल छह अन्य लोगों को दो अलग–अलग मुठभेड़ों के बाद पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

उम्र में छोटे सिपाही संग भागी भाजपा नेता की पत्नी

2 करोड़ के गहने और ले गई 4 लाख कैश

लखनऊ, एजेंसी। भदोही में भाजपा की महिला नेता अपने घर में किराए पर रहने वाले सिपाही के साथ भाग गई हैं। महिला नेता के दो बच्चे हैं। एक बीस साल की बेटी है और दूसरा सात साल का बेटा है। महिला नेता के पति भी भाजपा के नेता हैं। भाजपा नेता पति ने पत्नी पर आरोप लगाया है कि घर से ढाई करोड़ के जेवर और नगदी लेकर उनकी पत्नी सिपाही के साथ फरार हुई है। पति ने सिपाही पर पत्नी को फंसाने का आरोप लगाया है।पति का आरोप है कि पत्नी की उम्र 45 साल है, जबकि सिपाही 30 साल का है। भाजपा नेता पति का कहना है कि दोनों का कोई मेल नहीं है, सिपाही केवल पैसों के लिए पत्नी को लेकर भागा है। उसकी हत्या भी कर सकता है। पति की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस से शिकायत में भाजपा नेता ने कहा है कि एक साल पहले गोंडा निवासी सिपाही विनय तिवारी उर्फ राज तिवारी उनके घर में किराए पर रहता था।

रेप के दोषी बेटे को आजीवन कारावास, बड़ी अम्मी को बनाना चहता था बेगम

लखनऊ, एजेंसी। डेढ़ साल पहले कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव में मां के साथ दुष्कर्म करने के दोषी बेटे को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। रिश्ते के शर्मशार करने वाला बेटा चारा काटने के बहाने मां को गन्ने के खेत में ले गया था। अदालत ने दोषी पर 51 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। एडीजीसी कुश कुमार व विजय कुमार शर्मा ने बताया कि 22 जनवरी 2023 को कोतवाली देहात पर मुकदमा दर्ज कराया। वादी मुकदमा ने बताया कि 16 जनवरी को उनका बड़ा भाई अम्मी को लेकर जंगल में चारा लेने गया था। खेत से चारा लाने के बहाने बड़े भाई ने अम्मी के साथ दुष्कर्म किया।शर्मनाक घटना के बाद आरोपित भाई गांव से भाग गया। उनकी मां ने घर आकर उन्हें आपबीती बताई। काफी तलाशने के बाद भी आरोपित भाई नहीं मिला तो उसकी तलाश की। घटना के छह दिन बाद 22 जनवरी को वादी व उसके भाई ने अपने आरोपित भाई को पकड़ लिया और कोतवाली देहात जाकर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।वादी ने बताया उसका आरोपित भाई लगातार अम्मी को पत्नी बनाने लिए धमका रहा था। पुलिस ने जांच के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। अपर जिला सत्र न्यायालय, त्वरित न्यायालय के न्यायाधीश वरुण मोहित निगम ने बेटे को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 51 हजार रुपये की सजा सुनाई है। महिला के पति की मृत्यु लगभग दस साल पहले हो गई थी। बेटा विधवा मां को बेगम बनाने के लिए कहता था और धमकता था। मां के साथ दरिंदगी की घटना गांव में काफी दिन तक चर्चा का विषय बनी रही थी।

त्योहारी सीजन से पहले फ्लिपकार्ट ने दोपहिया वाहनों की खरीदारी को दी नई पहचान

लखनऊ, एजेंसी। त्योहारी सीजन की ओर कदम बढ़ाते हुए भारत के अग्रणी ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने दोपहिया वाहनों की खरीदारी के अनुभव को नई पहचान दी है। फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस हीरो, बजाज, टीवीएस, ओला, चेतक, जावा, यजदी, विडा,एथर व अन्य अग्रणी ब्रांड के विभिन्न पेट्रोल एवं इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की विविध रेंज उपलब्ध करा रहा है। जबर्दस्त पहुंचके साथ 700 से ज्यादा शहरों में 12,000 से ज्यादा पिन कोड को कवर करते हुए फ्लिपकार्ट देशभर के ग्राहकों को अद्वितीय सहूलियत, किफायत और भरोसा प्रदान कर रहा है, जिससे यह त्योहारी सीजन उनके लिए स्टाइल के साथ राइड करने का परफेक्ट मौका बनकर सामने आया है। फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड पर 5 प्रतिशत अनलिमिटेड कैशबैक, अग्रणी बैंकों की स्पेशल डील और सुपरकॉइन के माध्यम से लॉयल्टी बेनिफिट के साथ–साथ ग्राहक किफायती फाइनेंसिंग विकल्पों का लाभ भी उठा सकते हैं, जिससे उनके लिए दोपहिया वाहनों को खरीदने की प्रक्रिया और भी रिवार्डिंग हो जाती है। फ्लिपकार्ट में कैटेगरी एक्सपीरियंसेज प्रोडक्ट हेड रवि कृष्णन ने कहा, 'फ्लिपकार्ट में हम अपने ग्राहकों को दोपहिया वाहन खरीदने का सुगम, सरल और पारदर्शी अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे प्लेटफॉर्म पर व्यापक एवं यूजर–फ्रेंडली ऑन–रोड प्राइसिंग मिलती है, जिसमें एक ही जगह इंश्योरेंस और रजिस्ट्रेशन समेत सभी सुविधाएं शामिल हैं। ग्राहक घर बैठे ही विशेषज्ञों की तरफ से ऑडियोध्वीडियो गाइडेंस के माध्यम से इंश्योरेंस, रजिस्ट्रेशन और फाइनेंसिंग तक खरीदारी की सभी प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं।

संक्षिप्त

आईएएस अफसरों के तबादले

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में तबादलों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात यूपी में कई आईएएस अफसरों के तबादले हुए। तबादलों का सिलसिला लोकसभा चुनाव के बाद से ही जारी है।आईएएस प्रणता ऐश्वर्या को सीडीओ अंबेडकर नगर से विशेष सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण लखनऊ बनाया गया है। इसी कड़ी में आईएएस आनंद कुमार शुक्ला अपर निदेशक सूडा को सीडीओ अंबेडकर नगर बनाया गया है। इसके अलावा आईएएस उमेश प्रताप सिंह विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है। अनुपम शुक्ला को अतिरिक्त प्रभारआईएएस अरुण कुमार विशेष सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण से भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है। आईएएस अनुपम शुक्ला को विशेष सचिव ऊर्जा अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग और गौर परंपरागत ऊर्जा स्रोत एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग वर्तमान पद के साथ प्रबंध निदेशक ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

यूपी में फिर होगी बारिश, बदल सकता है मौसम

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में इस समय दिन के समय तेज धूप गर्मी को बढ़ा रही है, लेकिन जल्द ही इससे राहत मिल सकती है। मौसम विभाग (आईएमडी) की तरफ से आंधी और बारिश (तंपद) की संभावना जताई गई है। चार दिनों तक आंधी और बारिश की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग की तरफ से बताया गया है कि बंगाल की खाड़ी में चक्रवात उठा है, जो उत्तर प्रदेश में बिहार के रास्ते प्रवेश करेगा। बूंदाबांदी के साथ तेज बारिश और आंधी के आसार बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान में मानसून की वापसी हो सकती है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार तक बारिश की संभावना जताई जा रही है। प्रदेश के सात जिलों में वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। भरतपुर, बूंदी, बांसवाड़ा, झालावाड़, कोटो समेत 16 जिलों के लिए अर्लट जारी किया गया है।

पारा में स्कूल वैन का एक्सीडेंट, 4 बच्चे घायल

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में सैंट मैरी स्कूल की वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनीं दुकानों से टकरा गई। हादसे में कई बच्चों को चोट लगी है। इलाके के लोगों को कहना है कि वैन तेज रफ्तार में थी। मौके से पहुंची पुलिस ने वैन को कब्जे में लेकर बच्चों के उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक पारा इलाके के मुजफ्फर खेड़ा गांव के पास सैंट मैरी स्कूल की वैन (यूपी–32 एचएन. 9012) खंबे से टकरा गई। वैन में 4– 5 स्कूल बच्चे बैठे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके से पहुंच गए। बच्चों के चेहरे पर चोटें आई हैं। एक बच्ची की आंख में चोट लगी है, वो कक्षा तीन की छात्रा है। वहां मौजूद लोगों को आरोप की वैन का ड्राइवर काफी तेज चला रहा था। जो हादसे की वजह बनी। पारा एसएचओ बृजेश कुमार वर्मा का कहना है कि सुबह 8 बजे करीब स्कूल की वैन एक बच्ची को बचाने के चक्कर में टकरा गई। वैन में 4– 5 बच्चे थे। एक बच्ची की आंख के नीचे चोट आई है। बाकी बच्चे सुरक्षित हैं। मौके से वैन ड्राइवर भाग गया है। वैन को कब्जे में ले लिया है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपीएसएसएससी आयोग पर अभ्यर्थियों का धरना, एग्जाम डेट जारी करने की मांग

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पर जूनियर असिस्टेंट के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे अभ्यर्थियों ने परीक्षा तिथि जारी करने की मांग की। बैनर पोस्टर लेकर पहुंचे अभ्यर्थियों ने 1262 पद पर जूनियर असिस्टेंट की भर्ती में हो रही देरी को लेकर धरना दिया। दरअसल कनिष्ठ सहायक के 1262 पदों पर भर्ती से जुड़े मामले को लेकर अभ्यर्थियों ने मंगलवार सुबह से ही आयोग परिसर का घेराव किया। अभ्यर्थियों का कहना था कि पीईटी–2021 के तहत 27 अगस्त 2023 को परीक्षा हुई थी। परीक्षा का परिणाम 6 महीने बाद 6 फरवरी 2024 को आया। 8 महीने के बाद भी टाइपिंग टेस्ट यानी टंकण परीक्षा की नोटिस जारी नहीं हुई। उनका कहना हैं कि टंकण परीक्षा के बाद अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया भी होनी है। टाइपिंग शेड्यूल जारी करने के लिए अभ्यार्थियों ने आज प्रदर्शन किया।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने बीकेटी में गौ–तस्करों पर कार्रवाई की मांग

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के बीकेटी में बजरंग और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने गौ–तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सहायक पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी ने शीघ्र कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। बीकेटी थाना क्षेत्र के बेहड करौंदी गांव निवासी किसान रामविलास की गाय शनिवार की रात उनके घर से चोरी की गई थी। चोरों ने दरवाजे पर बंधी गाय छोड़कर ले गए थे। रविवार को गाय के शरीर का अलग–अलग हिस्सा घर से करीब 2 किमी दूर मिला था। इस बात को लेकर लोग नाराज हैं। इलाके के लोगों का कहना है कि यह मामला गोकशी का है।

सम्पादकीय........

योग निद्रा पर वैज्ञानिक मुहर

हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हालांकि, आज सारी दुनिया में योग बाजार सजाकर अरबों का कारोबार किया जा रहा है, लेकिन भारत में योग के प्रति वैसी दीवानगी नजर नहीं आती। निस्संदेह, मोदी सरकार को देश–विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में भी यह बात स्वीकारी गई कि इससे आराम के गहरे अहसास होते हैं। वहीं दूसरी ओर नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस वैज्ञानिक शोध में कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। आज के आपाधापी के जीवन में जब हर कोई ओवर थिंकिंग के मर्ज से जूझ रहा है योग निद्रा हमारे मन के भटकाव को रोकने में भी मददगार हो सकती है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा विश्रांति देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे–धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। लेकिन अनुभवी योगी से सीखकर योगनिद्रा करने से अधिक बेहतर परिणाम पाये जा सकते हैं।

अभिव्यक्ति की आजादी के लिए जरूरी फैसला

एजेंसी

दो जजों की मतभिन्नता को देखते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने केस को तीसरे जज चांदूरकर के पास भेजा था। जिन्होंने शुक्रवार को यह माना है कि एफसीयू की व्यवस्था असंवैधानिक है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने केंद्र सरकार की तरफ से पिछले साल लाए गए इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी संशोधित नियम– 2023 में किए गए फैक्ट चेक यूनिट गठन के प्रावधान को निरस्त कर दिया है। इस फैसले को सुनाते हुए जस्टिस अतुल चांदुरकर ने माना कि एफसीयू संविधान के अनुच्छेद–14 (समानता का अधिकार), 19 (बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी), 191–जी (पेशे के अधिकार) और 21 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। आईटी नियमों में फर्जी, भ्रामक और झूठ जैसे शब्दों की व्याख्या पूरी तरह से अस्पष्ट है, जो तार्किकता की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है। दरअसल केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि पर फर्जी, भ्रामक और झूठी खबरों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से फैक्ट चेक यूनिट की व्यवस्था बनाई थी, ताकि सरकार के कामकाज की सही और सटीक सूचनाएं नागरिकों तक पहुंचे। इस व्यवस्था में यदि सोशल मीडिया में को ई झूठी खबर डाली जाती है, तो एफसीयू उसे चिन्हित करेगा, फिर उसे वहां से हटाया जाएगा। लेकिन चर्चित स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा समेत कुछ और याचिकाकर्ताओं ने इस प्रावधान के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि ये संशोधन अभिव्यक्ति और विचारों की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध लगा देगा। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन प्रावधानों से ऑनलाइन कंटेंट पर सरकारी सेंसरशिप लग जाएगी। सरकार को इस बात का श्अभियोजक, जजत्र बनने का मौका मिल जाएगा कि ऑनलाइन क्या श्सत्यत्र पेश किया जाएगा। इस याचिका पर जनवरी, 2024 में हाई कोर्ट की जस्टिस पटेल और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने विभाजित फैसला सुनाया था। जस्टिस पटेल के मुताबिक, एफसीयू ऑनलाइन सूचनाओं पर एक सेंसरशिप का काम करेगा। वहीं जस्टिस गोखले के अनुसार, एफसीयू दुर्भावना से भरी सूचनाओं को फैलने से रोकेगा। केवल एफसीयू के दुरुपयोग की संभावना के आधार पर इसे अमान्य नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट का फैसला आने के इंतजार में फैक्ट–चेक यूनिट संचालित करने के नोटिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मार्च में स्टे लगा दिया था, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केंद्र इस मामले में तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक बॉम्बे हाई कोर्ट इसकी संवैधानिक वैधता पर निर्णय नहीं लेता है। दो जजों की मतभिन्नता को देखते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने केस को तीसरे जज चांदूरकर के पास भेजा था। जिन्होंने शुक्रवार को यह माना है कि एफसीयू की व्यवस्था असंवैधानिक है। इस फैसले को इस नजरिए से ऐतिहासिक कहा जा सकता है कि इससे एक तरफ अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा हुई है, दूसरी तरफ संविधान प्रदत्त अधिकारों पर परोक्ष तरीके से रोक लगाने की कोशिश को रद्द किया गया है। केंद्र सरकार के इरादे भले दुर्भावनापूर्ण सूचनाओं के प्रसार को रोकने के रहे हों, लेकिन जिस तरह से अंकुश लगाने की कोशिश सरकार कर रही थी, उसमें यह आशंका लगातार बनी रहती कि दुर्भावना का पैमाना सरकार की सुविधा के मुताबिक ही तय किया जाता। मोदी सरकार के कार्यकाल की शुरुआत से ही मीडिया के एक बड़े तबके पर किस तरह पूंजीपतियों और सरकारी तंत्र का शिकंजा कसा जा चुका है, यह अब उद्घाटित सत्य है। दूरदर्शन तो पूरी तरह पक्षपाती रवैया प्रदर्शित करता है, इसके साथ–साथ निजी चौनल भी निष्पक्षता का त्याग कर चुके हैं। कई चौनलों के एंकर खुलकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त करते हैं। अपनी आस्था जाहिर करने के लिए चौनलों में भाजपा के विरोधी दलों के लिए कितनी भ्रामक खबरें फैलाई जा सकती हैं, या सांप्रदायिक एजेंडा तय किया जा सकता है, इसकी होड़ लगी रहती है। ताजा उदाहरण तिरुपति के लड्डू विवाद का है, जिसमें कांग्रेस का दूर–दूर तक कोई लेना–देना नहीं है। लेकिन कुछ चौनलों ने इसमें खुलकर कांग्रेस पर दोषारोपण की कोशिश की। एक चौनल ने तो बाकायदा अपने थंबनेल, यानी कार्यक्रम के शीर्षक में इसे कांग्रेस का षड्यंत्र करार दे दिया। जबकि आंध्रप्रदेश में पहले वायएसआर कांग्रेस की सरकार थी, जगनमोहन रेड्डी मुख्यमंत्री थे और अभी चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी की सरकार है। दोनों ही दल कांग्रेस विरोधी हैं, बल्कि टीडीपी तो एनडीए में भाजपा की साथी है। ऐसे में कांग्रेस पर ऊंगली उठाने या उसे षड्यंत्र का आरोपी बनाने का सीधा मतलब यही है कि न्यूज चौनल भाजपा की मदद के लिए कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं और जनता तक भ्रामक जानकारी पहुंचा रहे हैं।केंद्र सरकार कह सकती है कि खबर का यह फर्जीवाड़ा न्यूज चौनल पर हुआ है, सोशल मीडिया पर नहीं। लेकिन इसके लिए दूसरा उदाहरण भी दिया जा सकता है। राहुल गांधी ने अमेरिका में सिखों का उदाहरण देकर धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में जो बयान दिया या जाति का भेद खत्म होने पर ही आरक्षण खत्म किया जा सकता है, यह कहा था, लेकिन इन दोनों बयानों को पूरी तरह से तोड़–मरोड़ कर सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया। खुद भाजपा आईटी सेल के लोगों ने इसे प्रसारित किया और फिर इसी झूठी खबर को आधार बनाकर भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के लिए जानलेवा धमकियां दीं। अगर सरकार का इरादा वाकई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फेक न्यूज, दुर्भावनापूर्ण खबरों को रोकना था, तो इसकी शुरुआत भाजपा के सोशल मीडिया मंचों से होती तब इसका अच्छा संदेश जनता के बीच जाता।

पितृपक्ष पर विशेष शोधलेख

पितृपक्ष का ज्ञान–विज्ञान

पितृपक्ष का सामान्य अर्थ है षपितरों का पक्ष या पाखष। पितर हमारे वे पूर्वज हैं जो मृत्यु की सहायता से स्थूल शरीर का परित्याग करके सूक्ष्म शरीर के साथ किसी अज्ञात सूक्ष्म लोक या पितृलोक में निवास कर रहे हैं। अथवा वे पूर्वज, जो पुनर्जन्म की नियम–व्यवस्था के अनुसार किसी लोक पर किसी योनि में जन्म लेकर भौतिक शरीर के सहारे जीवन– यात्रा के पथ पर अग्रसर हैं। पक्ष दो हैं– १–कृष्ण पक्ष एवं २–शुक्ल पक्ष। मूलतः पन्द्रह दिन–रात का कालखंड एक पक्ष या पाख कहलाता है। पितर के नाम से पितरों के लिए सुरक्षित पक्ष को पितृपक्ष कहते हैं। भारतीय संस्कृति में पितृपक्ष का विशेष महत्व है। मृत पितरों के प्रति श्रद्धा और भक्ति का यह पन्द्रह दिवसीय महापर्व आश्विन (क्वार) मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या की तिथि तक माना जाता है। इस अवधि में शादी–विवाह आदि मांगलिक कार्य एवं संस्कार नहीं किए जाते। ऐसा इसलिए कि पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध,तर्पण आदि कार्यों में सन्नद्ध श्रद्धा–भक्ति दो–तीन दिशाओं में बॅटकर क्षीणता को प्राप्त न होने पाये। उक्त अवधि में मनुष्य की सात्विक श्रद्धा का प्रवाह केवल अपने मृत पितरों की ओर होना चाहिए। जब कोई भावना लक्ष्य से भटक कर अनेक दिशाओं में बॅंट जाती है तो वांछित सफलता असफलता में बदल जाती है। व्यवहारतरू यदि पितृपक्ष में अन्य मांगलिक कार्य किए जाएंगे तो पितरों पर केन्द्रित किया गया भक्ति–भाव बाधित होगा एवं ध्यान टूटेगा। ऐसी स्थिति में श्राद्ध एवं तर्पण का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। श्राद्ध कर्म लोक जीवन के लिए कितना स्वास्थ्यवर्धक, प्राण–प्रसारक, जीवन–रक्षक, अशुभ–निवारक एवं अमृतयोगकारक होता है, इसका ज्ञान और अनुमान हम सबको भले नहीं है, किन्तु त्रेताकाल का परम प्रतापी पण्डित दशानन रावण सब कुछ जानता था। देवासुर संग्रामों में देवों की विजय और दानवों की हारों के कारणों की खोज में रावण ने यह पता लगा लिया था कि द्विज भोजन,मख, होम और श्राद्ध ,ये चार कारण देवताओं को अमरत्व प्रदान करते हैं। इसलिए उसने अपने अनुचरों को आदेश दिया कि जाकर इन चारों को बाधित करो,यथा –

द्विज भोजन मख होम सराधा । तिन्ह कहुं जाइ करहु तुम बाधा।। हममें से बहुत से लोग यह प्रश्न कर सकते हैं और करते भी रहते हैं कि १–जो मरकर विनष्ट हो गया उसके लिए किया जाने वाला श्राद्ध कर्म क्या मूर्खता की श्रेणी में नहीं आता?२– यदि मृत प्राणी का कहीं अस्तित्व है भी तो क्या यहाँ से अर्पित किए गए पदार्थ उसे प्राप्त हो सकते हैं? ये प्रश्न तभी तक तार्किक लगते हैं जब तक हम श्राद्ध आदि कर्मों में छिपे हुए गूढ़ विज्ञान से अनभिज्ञ हैं। यथार्थतरू, मानव–जीवन रसायनों से निर्मित शरीर न होकर भावनाओं का पुंज है और भाव आत्मा के गुण हैं। भावनाओं में सबसे शक्तिशाली और कल्याणकारी होती है श्रद्धा और भक्ति। ये अंतःकरण की मूल प्रवृत्तियॉ हैं। इन्हीं के द्वारा निषेधात्मक भाव–प्रवृत्तियों का शमन एवं विधेयात्मक प्रवृत्तियों का संपोषण होता है। मन में जिस प्रकार की भावना उद्दीप्त होती है, उसी के अनुरूप शरीर में रासायनिक क्रिया होती है और अंतःस्रावी ग्रंथियों से उसी प्रकार के रस स्रवित होकर रक्त में मिलते रहते हैं। नकारात्मक भावों के निरन्तर उद्दीपन से जो जहरीला सूक्ष्म रसायन शरीर में बनता है,उसी की देन होते हैं समस्त प्रकार के साध्य–असाध्य रोग। पितृपक्ष में पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध आदि कर्म कर्ता को तो वैयक्तिक लाभ पहुॅंचाते ही हैं, संपूर्ण सृष्टि को भी परोक्षतरू लाभान्वित करते हैं ।इसे इस रूप में समझा जा सकता है– प्रसिद्ध है कि पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की सुख–शान्ति एवं मुक्ति के लिए तर्पण किया जाता है ।पितर अर्थात मृत पूर्वज। यथार्थतरू जब व्यक्ति मरता है तो उसके जीवन का अन्त नहीं हो जाता। बल्कि, उसकी जीवात्मा स्थूल शरीर को छोड़कर सूक्ष्म शरीर के सहारे जीवन–यात्रा को गतिशील रखती है और तब तक रखती है, जब तक पुनः स्थूल शरीर धारण नहीं कर लेती या शरीर– बन्धन से मुक्त नहीं हो जाती। पितृपक्ष में जब श्राद्ध कर्म किए जाते हैं तो कर्ता की श्रद्धा एवं भक्ति–भावना अपनी प्रगाढ़ता के अनुरूप सूक्ष्म शरीरी या भाव रूप पितरों को पोषण एवं तृप्ति प्रदान करती है। तृप्ति–जन्य आह्लाद की दशा में पितरों के भावशरीर से जो सद्भावना के विद्युत परमाणु अपरिमित मात्रा में बिखरते हैं, वे श्राद्धकर्ता के भाव परमाणुओं द्वारा आकर्षित कर लिए जाते हैं, क्योंकि सामानधर्मी परमाणु एक दूसरे को आकर्षित करते हैं। कर्ता की प्रगाढ़ भावना के प्रभूत परमाणु–पुंज अपने प्रबल आकर्षण में पितरों के भावशरीर को वैसे ही अपने पास खींच लाते हैं,जैसे भक्ति के आकर्षण भगवान को आकर्षित कर लेते हैं। लंका–युद्ध की समाप्ति के बाद श्री दशरथ जी का भावशरीर श्री राम को आशीर्वाद देने के लिए धरती पर आया था। इसी स्थिति को पितरों का आशीर्वाद कहा जाता है। प्रश्न यह भी उठ सकता है कि पितृपक्ष के श्राद्ध कर्म से उन पितरों का क्या लाभ होता है जिन्होंने पुनर्जन्म के द्वारा अन्य स्थूल शरीर प्राप्त कर लिया है,क्योंकि अब वे सूक्ष्मशरीरी न होकर स्थूलशरीरी हो चुके होते हैं। इसके उत्तर में यह कहा जा सकता है कि पुनर्जन्म का यह अर्थ नहीं होता कि स्थूलशरीर मिल जाने के बाद सूक्ष्म या भाव शरीर नष्ट हो जाता है। मृत्यु के समय जीवात्मा स्थूल शरीर को छोड़ने के बाद जिस सूक्ष्म शरीर को लेकर सूक्ष्म लोक को जाती है, उसी को लेकर वह नये स्थूल शरीर में प्रवेश भी करती है। पितृपक्ष में जब उसके वंशज श्राद्ध आदि कर्मों के द्वारा उसके कल्याण की कामना करते हैं तो सात्विक श्रद्धा के भाव परमाणु उस तक पहुॅंच कर विशेष प्रकार के आह्लादक वातावरण की सृष्टि करते हैं। हमारे दैनिक जीवन में ऐसी स्थिति–परिस्थित समय–समय पर उत्पन्न होती रहती है,जब हम अन्दर ही अन्दर बिना किसी कारण के अपार हर्ष एवं आनन्द का अनुभव करते हैं। ऐसा तब होता है ,जब हमारे पिछले जन्म के सगे– संबंधी हमें प्रसन्नता एवं श्रद्धा–पूर्वक याद कर रहे होते हैं, या अच्छे संदर्भों में हमारी चर्चा कर रहे होते हैं, या आह्लादक परिस्थितियों में जीवन जीते हुए आह्लादित हो रहे होते हैं। इसके विपरीत कभी–कभी हम अकारण विषाद, बेचैनी, आवेश ,अवसाद, दुःख ,कुण्ठा आदि का अनुभव करते हैं। ऐसी स्थिति तब बनती है,जब हमारे पूर्व जन्म के स्वजन संकट में होते हैं और उनकी पीड़ा की सूक्ष्म तरंगे हम तक पहुॅंच कर हमारी चेतना पर अधिकार कर लेती हैं। धरती पर जितने भी मानव हैं, वे सभी किसी न किसी के पूर्व जन्म के सगे–सम्बन्धी रहे हैं।पितृपक्ष के पन्द्रह दिनों तक प्रायः सभी लोग तर्पण आदि के द्वारा अपने पितरों की आत्मा के कल्याण के लिए जो भावना करते हैं, वह सभी की अन्तश्चेतना तक जाती है, क्योंकि सभी कभी न कभी किसी न किसी के पितर जरूर रहे हैं। पितृपक्ष के श्राद्ध–काल की सूक्ष्म सद्भावना–तरंगे व्यक्ति के भावलोक को इतना परिष्कृत कर देती हैं कि पूरे वर्ष भर कोई निषेधात्मक भाव–प्रवृत्ति उस पर अपना आधिपत्य स्थापित नहीं कर पाती। श्राद्धकर्ता की श्रद्धा उन पितरों की आत्मा को भी तृप्ति प्रदान करती है, जिन्हें मानवेतर योनि में जन्म मिला होता है। पितृपक्ष के श्राद्ध कर्म का व्यावहारिक एवं तात्कालिक महत्व यह है कि व्यक्ति का अन्तर्मन जाने–अनजाने सोचने लगता है कि जब मरे हुए लोगों के प्रति इतनी भक्ति व श्रद्धा रखी जाती है तो जीवित व्यक्तियों की तो और अधिक सेवा की जानी चाहिए। यही विचार धीरे–धीरे उसके स्वभाव में उतर जाता है। इस स्थिति में समूची सृष्टि के प्रति उसके मन में एक ऐसी अज्ञात आत्मीय भावना विकसित हो जाती है, जिसके प्रभाव से सर्वत्र समरसता की धारा प्रस्फुटित हो उठती है। धरती पर स्वर्गीय वातावरण का निर्माण इसी समरसता की देन होती है। पितृपक्ष सनातन संस्कृति की वह कल्याणकारी व्यवस्था है, जिसके द्वारा व्यक्ति–जीवन से लेकर विश्व–जीवन और उसके साथ–साथ मरणोत्तर जीवन तक प्रत्यक्ष और परोक्ष इन दोनों रूपों में लाभान्वित होते हैं। भारत के धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्वों का परोक्ष महत्व यह है कि उनके द्वारा वातावरण में विद्यमान मानसिक प्रदूषण के कचरों की सफाई होती रहती है । पितृपक्ष के श्राद्ध आदि कर्म इस दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण हैं।

प्रोफेसर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी
अध्यक्ष हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पट्टी, प्रतापगढ़ (उ प्र)

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की भारी कटौती का वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों पर असर

अंजन रॉय

19 सितंबर दुनिया भर के वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ा दिन था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने आखिरकार वैसा ही किया जैसा बाजारों को उम्मीद थी। इसने ब्याज दरों में भारी कटौती की। इसका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हो रहा है और शेयर बाजारों, जो पहले से ही समायोजन कर रहे हैं, को अधिक समायोजन करना पड़ रहा है, जैसा कि हमने भारतीय बाजार में तेज उछाल के दौरान देखा है। मार्च 2020 के बाद से अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से यह पहली ब्याज दर कटौती है। सबसे अधिक ध्यान देने वाली बात यह है कि अमेरिकी फेड ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है और पहले से कहीं अधिक कटौती की है – जैसा कि कुछ टिप्पणीकारों ने इसे श्आधा प्रतिशत की भारी कटौतीश कहा है। इसके परिणाम स्वरूप शेयर बाजार आश्चर्यचकित ढंग से ऊपर की ओर जा रहे हैं। कुछ टिप्पणीकार मौद्रिक नीति निर्माण के इस बड़े कदम को श्फ्रंट लोडिंगश के रूप में वर्णित कर रहे हैं। ऐसा करते हुए, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोमपॉवेल ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत और स्वस्थ है और लगातार बढ़ रही है। साथ ही, ब्याज दरों को ऐतिहासिक उच्च स्तर पर रखने के बावजूद, अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है और मंदी में नहीं फंसी है। साथ ही, कीमतों में तेजी से गिरावट आई है और मूल्य मुद्रास्फीति लगभग लक्ष्य स्तर के भीतर है। उन्हें लगा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की लड़ाई जीत ली गई है और इसलिए उन्होंने अपनी नीति ब्याज दर में आधे प्रतिशत की कटौती की, भले ही इसके बारह गवर्नरों में से एक इस धारणा से अलग थे और एक चौथाई प्रतिशत की कम कटौती की वकालत की। इसका निश्चित रूप से वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदम के जवाब में अपनी ब्याज दरों को फिर से निर्धारित कर सकते हैं। हर तरफ दरों में कटौती की उम्मीद की जा सकती है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से वैश्विक स्तर पर धन के प्रवाह पर असर पड़ेगा। यह उम्मीद करना उचित है कि उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए फंड मैनेजर इन बाजारों में कुछ अतिरिक्त निवेश करेंगे। भारतीय शेयर बाजार प्रमुख संस्थागत निवेशकों के लिए एक लक्ष्य है और सबसे प्रमुख वैश्विक शेयर सूचकांकों में से एक में भारत का महत्व चीन के मुकाबले मामूली रूप से बढ़ा है। भारतीय शेयर बाजार में पहले से ही तेजी देखी जा रही है। आज के कारोबार में शेयरों में तेजी आई है, जबकि ये पहले से ही उच्च स्तर पर हैं। दर समायोजन की स्थिति में शेयरों और बांडों के तुलनीय मूल्य फिर से संरेखित होते हैं। कोई सुरक्षित रूप से उम्मीद कर सकता है कि ब्याज दर घटेगी तथा शेयरों की कीमतें बढ़ेंगी। पोर्टफोलियो को फिर से निर्धारित किया जायेगा। अतिरिक्त फंडों में होने वाले उतार–चढ़ाव अगले चरण में विदेशी मुद्रा बाजार को भी हिला सकते हैं। कोई उम्मीद कर सकता है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लिए आसान दरें उलट सकती हैं और विदेशी संस्थागत निवेशकों से प्रवाह के अनुसार समायोजन दिखा सकती हैं। फिर, संयुक्त राज्य अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने इस समय इतना बड़ा कदम क्यों उठाया है। राय अलग–अलग हैं। आंकड़ों की व्याख्याएं अलग–अलग हैं। फेडरल बैंक के चेयरमैन पॉवेल ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विपरीत स्थिति की ओर इशारा किया है। जबकि साल की शुरुआत में, कीमतें 4.2 प्रतिशत बढ़ रही थीं और बेरोजगारी दर 2 प्रतिशत पर थी। वर्तमान में स्थिति बिल्कुल उलट है। कीमतें 2प्रतिशत बढ़ रही हैं और बेरोजगारी 4.2प्रतिशत पर है। पॉवेल ने बताया कि बेरोजगारी और बढ़ने से पहले, केंद्रीय बैंक को बेरोजगारी को और बढ़ने से रोकने के लिए समग्र आर्थिक गतिविधि को समर्थन देने की दिशा में कदम उठाना होगा। वास्तव में, अर्थशास्त्रियों और बाजार संचालकों में से कुछ लोगों का मानना है कि फेड पहले से ही पीछे रह गया है, यानी उसने दरों में कटौती को बहुत लंबे समय तक टाल दिया है। केंद्रीय बैंक ने अपनी नीतिगत दरों को ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर बनाये रखा था – सटीक रूप से 23 साल के उच्चतम स्तर पर। परिणामस्वरूप, बाजारों के साथ–साथ अर्थशास्त्रियों को भी उम्मीद थी कि फेड इस साल जनवरी में अपनी बैठक में नीतिगत दरों में कटौती करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर मौद्रिक नीति समिति की मार्च की बैठक में कटौती की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। फिर, जून में भी ऐसी ही उम्मीद थी। अब, सितंबर में ही कटौती हुई है। पूरे समय, अर्थशास्त्रियों को डर था कि लगातार उच्च ब्याज दरें अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मंदी में डाल देंगी। यह डर लंबे समय से था। इकानॉमिस्ट पत्रिका ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया था कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी बढ़ रही है, हालांकि 2020 की पहली तिमाही से ब्याज दर में लगातार बढ़ोतरी की जा रही थी। वास्तव में, अमेरिकी अर्थव्यवस्था का व्यवहार हैरान करने वाला रहा है। पारंपरिक आर्थिक तर्क के अनुसार, केंद्रीय बैंक ब्याज दरें तब बढ़ाते हैं जब कीमतें बढ़ रही होती हैं। उच्च ब्याज दर मांग को दबा देती है, निवेश को कम करती है, जिससे रोजगार में कमी आती है। इस प्रकार, रोजगार और मूल्य वृद्धि के बीच एक विशेष संबंध है। लेकिन इस बार, फेड ने अपनी ब्याज दरें तब बढ़ाईं जब अमेरिकी कीमतें ऐतिहासिक उच्च गति पर थीं। सभी को बेरोजगारी में वृद्धि और वास्तव में मंदी की उम्मीद थी ।परन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और अमेरिका खुशी–खुशी बढ़ता रहा। साथ ही, हाल ही में कीमतों में तेज वृद्धि धीमी हो गई और केंद्रीय बैंक के स्वीकार्य स्तर पर आ गई। संभवतः, यह नयी अर्थव्यवस्था की शुरुआत है। अर्थशास्त्री सुराग खोजने के लिए डेटा और अमेरिकी उपभोक्ताओं के व्यवहार से जूझ रहे हैं। यह महामारी और उसके बाद के दौर में हो सकता है। उपभोक्ताओं के हाथों में अप्रयुक्त धन के बड़े पूल ने अर्थव्यवस्था को चालू रखने में भूमिका निभायी। इस घटना को नियमित रूप से स्वीकार करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है।

पेरिस फैशन वीक 2024 में ऐश्वर्या राय ने रैंप वॉक पर बिखेरा जलवा, आलिया भट्ट ने मैटलिक ड्रेस में किया धमाकेदार डेब्यू

बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत दो अदाकारा आलिया भट्ट और ऐश्वर्या राय इंटरनेशनल फैशन इवेंट पेरिस फैशन वीक 2024 में अपना जलवा बिखेरने में कामयाब रहीं। दूसरी ओर, आलिया भट्ट मे पहली बार पेरिस फैशन वीक में अपने खूबसूरत लुक के साथ रैम्प वॉक पर किया डेब्यू। ऐश्वर्या रेड ड्रेस में परी तरह नजर आईं।

ऐश्वर्या राय बच्चन और आलिया भट्ट कपूर ने पेरिस फैशन वीक 2024 में लोरियल पेरिस के साथ ले डेफिले में रैम्प वॉक किया और वैश्विक मानचित्र पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। न्यूली ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के रूप में अपनी शुरुआत करते हुए, आलिया भट्ट ब्रांड की आइकन रहीं ऐश्वर्या के साथ शामिल हो गईं। पेरिस फैशन वीक में आलिया भट्ट और ऐशवर्या राय दोनों ने अपनी खूबसूरती से बिखेरा जलवा। दरअसल, ऐश्वर्या कई बार इस फैशन वीक में जलवा बिखेर चुकी है लेकिन आलिया ने इस बार डेब्यू किया है।

रैम्प वॉक पर आलिया भट्ट मैटेलिक ड्रेस में नजर आईं

पेरिस फैशन वीक 2024 में आलिया भट्ट ने फ्लेयर्ड ब्लैक कलर के पैंट के साथ स्ट्रैपलेस मैटेलिक टॉप पहना था। इसके साथ ही आलिया ने अपना लुक एकदम सिंपल और एलिगेंट रखा था। उन्होंने हैवी स्टेटमेंट ईयररिंग्स और खुले बाले से अपना लुक को पूरा किया। मिनिमल मेकअप लुक और स्मोकी आईज में वह हुस्न की परी लग रही थीं। रैम्प वॉक पर आलिया भट्ट का कॉन्फिडेंस उनकी खूबसूरती में चार–चांद लगा रही थी।

लाल परी लगीं ऐश्वर्या राय

बॉलीवुड डीवा ऐश्वर्या राय कई सालों से पेरिस फैशन वीक पर अपना जलवा बिखेरती आ रही हैं। इस साल भी एक्ट्रेस ने अपने लुक से धमाल मचा दिया है। जब ऐश्वर्या रैम्प वॉक पर आईं तो लाल ड्रेस में किसी परी से कम नहीं लग रही थीं। रेड कलर के लॉन्ग बलून स्टाइल गाउन के साथ ऐश्वर्या ने एक लॉन्ग टेल दुपट्टा लिया था।

रैम्प वॉक पर हाथ जोड़कर किया नमस्ते

ऐश्वर्या राय खुले बाल में विंग्ड आईलाइनर और रेड लिपस्टिक में उनका लुक देखने लायक था। अभिनेत्री ने अलग अंदाज में रैम्प वॉक पर भारतीय परंपरा को बरकरार रखते हुए ऑडियंस को हाथ जोड़कर नमस्ते किया। ऐश्वर्या का यह अंदाज देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए।

> ऐश्वर्या राय बच्चन और आलिया भट्ट कपूर ने पेरिस फैशन वीक २०२४ में लोरियल पेरिस के साथ ले डेफिले में रैम्प वॉक किया और वैश्विक मानचित्र पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। न्यूली ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के रूप में अपनी शुरुआत करते हुए, आलिया भट्ट ब्रांड की आइकन रहीं ऐश्वर्या के साथ शामिल हो गईं। पेरिस फैशन वीक में आलिया भट्ट और ऐशवर्या राय दोनों ने अपनी खूबसूरती से बिखेरा जलवा।

ऊंट की सवारी करते हुए निम्रत कौर ने शेयर की तस्वीर

एक्ट्रेस निम्रत कौर ने रेगिस्तान में ऊंट की सवारी का लुत्फ उठाते हुए अपनी एक पुरानी फोटो शेयर की है। निम्रत कौर ने इंस्टाग्राम पर ऊंट की सवारी का लुत्फ उठाते हुए दो वीडियो पोस्ट किए। पहली क्लिप में, वह कहती हुई सुनाई दे रही हैं, बहुत वर्षों के बाद मैं रेगिस्तान में ऊंट पर सफारी पर आई हूं। यह बहुत अच्छा है। निम्रत ने यह भी बताया कि ऊंट का नाम शेरू है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्रिय डायरी, आप हर किसी को खुश नहीं कर सकते। सच में शेरू (ऊंट इमोजी)। आप वास्तव में तब पहचान पाते हैं कि आपके दोस्त कौन हैं, जब आप मुश्किलों से घिरे रहते हैं। इसमें एक अन्य टैग श्रेगिस्तान में कहींश भी लिखा था। निम्रत ने अपना करियर प्रिंट मॉडल के तौर पर शुरू किया और थिएटर में अभिनय किया। उन्होंने अनुराग कश्यप की प्रोडक्शन फिल्म पेडलर्स में अभिनय किया, जिसे 2012 के कांस फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसके बाद उन्होंने द लंचबॉक्स में अपनी सफल भूमिका निभाई। इसमें दिवंगत अभिनेता इरफान खान भी थे। फिर उन्हें अमेरिकी टेलीविजन सीरीज "होमलैंड" के चौथे सीजन में इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस एजेंट तस्नीम कुरैशी की भूमिका निभाते हुए देखा गया। 2016 में, उन्होंने अक्षय कुमार की फील्म एयरलिफ्ट, अमेरिकी टेलीविजन सीरीज वेवार्ड पाइंस में काम किया। वह श्होमलैंडश के आठवें और अंतिम सीजन में भी नजर आईं। निम्रत को आखिरी बार स्क्रीन पर सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था। इसमें राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध भावे भी हैं। वह अब अमिताभ बच्चन की सेक्शन 84 में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन टी3एन फेम रिभु दासगुप्ता करेंगे। इस फिल्म में डायना पेंटी भी हैं। टीवी थ्रिलर मिनीसीरीज युद्ध और मिस्ट्री थ्रिलर टीई3एन के बाद, यह तीसरी बार है जब निर्देशक बिग बी के साथ प्रोजेक्ट कर रहे हैं।

एक्ट्रेस बिपाशा बसु और नीलम ने अपने बच्चों के साथ मनाया डॉटर्स डे

अभिनेत्री बिपाशा बसु और नीलम कोठारी राष्ट्रीय बेटी दिवस मना रही हैं। रविवार को अभिनेत्रियों ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटियों के साथ कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर की। बिपाशा ने अपनी बेटी देवी का एक दिल को छू लेने वाला वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह अपनी मां से अंग्रेजी और बंगाली में बात कर रही है। वीडियो में बिपाशा फ्रेम में नहीं हैं, लेकिन वह अपनी बेटी से पूछती हुई सुनाई दे रही हैं, तुम कैसी हो? क्या तुम ठीक हो?देवी अपनी मां से वही सवाल पूछती है, जिसके बाद बिपाशा पूछती है, तुमी भालो आचो (क्या आप ठीक हैं)? फिर वह अपनी बेटी की ओर से कहती है, "आमी भालो, आमी खूब भालो मे" ताकि देवी उसकी प्रतिक्रिया की नकल कर सके। फिर वह कहती है, "आमी एकता मिष्टी मे (मैं एक प्यारी लड़की हूँ)" बिपाशा ने कैप्शन में लिखा, "हर दिन बेटियों का दिन। हर दिन देवी का दिन। अभिनेता करण सिंह ग्रोवर के साथ 2016 में शादी के बंधन में बंधने वाली बिपाशा ने 12 नवंबर, 2022 को बेटी देवी को जन्म दिया। इससे पहले बिपाशा ने खुलासा किया था कि उनकी बेटी के दिल में दो छेद हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान नेहा धूपिया से कहा, हमारा सफर किसी भी सामान्य मां–बाप से बहुत अलग रहा है, यह मेरे चेहरे पर अभी जो मुस्कान है, उससे कहीं ज्यादा कठिन रहा है। मैं नहीं चाहती कि ऐसा किसी मां के साथ हो। उन्होंने आगे कहा, एक नई मां के लिए, जब आपको पता चलता है कि...मुझे अपने बच्चे के जन्म के तीसरे दिन पता चला कि हमारा बच्चा अपने दिल में दो छेद के साथ पैदा हुआ है। मैंने सोचा कि मैं इसे साझा नहीं करूंगी, लेकिन मैं इसे साझा कर रही हूं क्योंकि मुझे लगता है कि इस यात्रा में मेरी मदद करने वाली बहुत सी मांएं हैं, और उन माताओं को ढूंढना बहुत मुश्किल था। इस बीच, नीलम ने अपनी बेटी अहाना के साथ कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैप्पी डॉटर्स डे! रुधन्य और सबसे अनमोल ये तस्वीरें उनकी यूके की छुट्टियों की लग रही हैं, क्योंकि इनमें बिग बेन दिखाई दे रहा है और मां–बेटी ऊनी कपड़े पहने हुए हैं।

कैंसर से जूझ रहे बच्चों के साथ रानी मुखर्जी ने मनाया वर्ल्ड रोज डे

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने वर्ल्ड रोज डे के खास मौके पर कैंसर से जूझ रहे बच्चों के साथ एक बेहद भावुक और प्रेरणादायक कार्यक्रम में शिरकत की। इस कार्यक्रम का आयोजन कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन द्वारा किया गया था, जहां रानी ने बच्चों को गुलाब और उपहार बांटकर उनके साथ खूबसूरत पल बिताए। उन्होंने बच्चों से संवाद किया, उन्हें प्रोत्साहित किया और बांद्रा–वर्ली सी लिंक पर ओपन बस की सवारी के दौरान लाल और सफेद गुब्बारे आसमान में छोड़े। रानी के इस कदम ने न सिर्फ बच्चों को खुशी दी, बल्कि कैंसर के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई।

कैंसर मरीजों के साथ एक भावनात्मक कार्यक्रम

रानी मुखर्जी ने कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ समय बिताते हुए उन्हें गुलाब और उपहार दिए। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाया और उन्हें सकारात्मक ऊर्जा से भरने की कोशिश की। इस भावनात्मक आयोजन ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने में मदद की। कार्यक्रम का एक खास हिस्सा था बांद्रा–वर्ली सी लिंक पर एक ओपन बस की सवारी, जो इस दिन को खास बनाने के लिए लाल रोशनी से जगमगा रही थी। बच्चों और रानी मुखर्जी ने मिलकर आसमान में लाल और सफेद गुब्बारे छोड़े, जिससे एक खास एकजुटता और उम्मीद का संदेश दिया गया।

रानी मुखर्जी का प्रेरणादायक संदेश

रानी ने इस अवसर पर माता–पिता और बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्यार और समर्थन से ही इस लड़ाई को जीता जा सकता है। उन्होंने माता–पिता को मजबूत बने रहने की सलाह दी और कहा कि बच्चे तभी इस कठिनाई को पार कर पाएंगे जब उनके माता–पिता का सहयोग उनके साथ होगा।

वर्ल्ड रोज डे का महत्व

वर्ल्ड रोज डे हर साल 22 सितंबर को कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत 12 वर्षीय मेलिंडा रोज की बहादुरी से प्रेरित होकर की गई थी, जिन्होंने टर्मिनल कैंसर से लड़ाई लड़ी। रानी मुखर्जी का यह कदम कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ एकजुटता और सहानुभूति का प्रतीक है। इस आयोजन से जागरूकता बढ़ी और समाज को कैंसर के प्रति संवेदनशील बनाने में मदद मिली।

बिग बॉस 18 में कौन-कौन सी फिल्मी हस्तियां होंगी शामिल ? कंटेस्टेंट्स की लिस्ट आई सामने

बिग बॉस 18 अपने नए सीजन के साथ लौट रहा है, जिसमें एक शानदार प्रतियोगिता और दिलचस्प थीम देखने को मिलेगी। इस बार चर्चा का केंद्र बनी हैं बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे, जो अन्य सितारों के साथ इस रोमांचक सफर में शामिल होने जा रही हैं। इस सीजन में ड्रामा, मनोरंजन और मस्ती का भरपूर मिश्रण देखने को मिलेगा, जिससे दर्शक अपनी स्क्रीन से नजरें नहीं हटा पाएंगे!

सितारों से भरी प्रतियोगियों की सूची

पद्मिनी कोल्हापुरे

श्रद्धा कपूर की मौसी और प्रतिष्ठित अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे शो में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं। उन्होंने ऋषि कपूर और अनिल कपूर जैसे दिग्गजों के साथ 'सत्यं शिवं सुंदरम' और 'प्रेम रोग' जैसी फिल्मों में काम किया है। उनकी भागीदारी निश्चित रूप से शो में तड़का लगाएगी

अन्य संभावित प्रतियोगी

पद्मिनी के अलावा, शो में कई अन्य स्थापित और उभरते सितारे शामिल हो सकते हैं। करणवीर मेहरा खतरों के खिलाड़ी 14 के लोकप्रिय अभिनेता करणवीर भी इस सीजन में नजर आ सकते हैं। उन्होंने विभिन्न टीवी शो में अपने प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता है। ऋत्विक धनजानी पवित्र रिश्ता के लिए जाने जाने वाले ऋत्विक लंबे समय से बिग बॉस के संभावित प्रतियोगी रहे हैं और इस बार वह शो में शामिल होने के लिए तैयार हैं। शहजादा धामी ये रिश्ता क्या कहलाता है' से विवादास्पद बाहर निकलने के बाद, शहजादा भी शो के निर्माताओं के ध्यान में हैं। उनकी हालिया लोकप्रियता उन्हें शो में एक पसंदीदा बना सकती है।

टाइम ट्रैवल पर आधारित थीम

इस सीजन की थीम टाइम ट्रैवल पर आधारित है, जो इसे पिछले संस्करणों से अलग बनाती है। प्रतियोगियों को इस दिलचस्प विषय पर आधारित चुनौतियों का सामना करना होगा, जो खेल में रणनीति और रोमांच को जोड़ देगा। विरासत के कलाकारों और नए चेहरों के मिश्रण के साथ, बिग बॉस 18 अब तक के सबसे रोमांचक सीजनों में से एक बनने के लिए तैयार है। प्रशंसक अक्टूबर की शुरुआत में प्रीमियर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह देखने के लिए कि प्रतियोगी कैसे आपस में बातचीत करेंगे और इस अनोखी थीम के अनुसार खुद को ढालेंगे। जैसे–जैसे और नाम सामने आ रहे हैं, उत्साह बढ़ता जा रहा है, जो एक सीजन के लिए वादा करता है जो अप्रत्याशित मोड़ों और मनोरंजक क्षणों से भरा होगा।

सदह्न–जुकाम और जकड़न के लिए रामबाण है गिलोय का काढ़ा, जानिए बनाने का तरीका

आयुर्वेदिक हर्ब्स को फायदों की खान माना जाता है, क्योंकि इनमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। ऐसा ही एक हर्ब गिलोय है। जिसका हम सभी ने कभी न कभी इस्तेमाल किया होगा। अगर आपने गिलोय का इस्तेमाल नहीं किया है, तो इसके फायदों के बारे में तो जरूर सुना होगा। आयुर्वेद में गिलोय को अमृत कहा जाता है और इसके फायदे अमृत समान होते हैं। कोरोना काल के समय भी लोगों ने गिलोय का जमकर इस्तेमाल किया था। आयुर्वेदिक दवाओं में भी गिलोय का इस्तेमाल किया जाता है। अक्सर सर्दी–जुकाम और खांसी आदि की समस्या होने पर कुछ चीजों को मिलाकर घर में काढ़ा बनाकर पिया जाता है। काढ़ा हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। अगर आप सीने में जकड़न, बलगम या सर्दी–जुकाम से परेशान हैं, तो आप इस समस्या से बचने के लिए गिलोय का देसी काढ़ा बनाकर पी सकते हैं। यह आपकी सेहत को काफी हद तक आराम पहुंचा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि गिलोय का काढ़ा कैसे बनाते हैं और इसके सेवन से क्या फायदा होता है।

गिलोय का काढ़ा पीने का फायदा

बता दें कि एंटी– बायोटिक, एंटी–एजिंग, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–वायरल, एंटी–डायबिटिक और एंटी–कैंसर गुण पाए जाते हैं।

यह हमारी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और इसके सेवन से कफ, सर्दी–खांसी और सीने की जकड़न दूर होती है।

वेट लॉस में भी गिलोय काफी फायदेमंद मानी जाती है। इससे मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है और आसानी से फैट बर्न होता है।

काली मिर्च और लौंग भी सीने में जमा कफ को दूर करने में फायदेमंद हैं। क्योंकि लौंग और काली मिर्च की तासीर गर्म होती है, जिससे गले की खराश और इंफेक्शन की समस्या दूर होती है।

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से खांसी और सर्दी–जुकाम में राहत मिलती है। इससे इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

तुलसी एक इम्यूनोमॉड्यूलेटरी हर्ब है, जो सर्दी–खांसी में लाभकारी होती है।

वहीं दालचीनी में एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–फंगल और एंटी–वायरल गुण पाए जाते हैं। यह सीने से कफ निकालने में मदद करती है।

शरीर में होने वाले दर्द से राहत पाने के लिए अदरक का सेवन किया जा सकता है। अदरक सर्दी–खांसी को भी कम करती है।

अजवाइन का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और आसानी से बलगम बाहर निकालने में मदद करती है।

सामग्री

गिलोय– 2 तने

दालचीनी का टुकड़ा– आधा इंच

काली मिर्च– 4

अजवाइन– आधा टीस्पून

लौंग– 2

अदरक– 1 इंच

तुलसी के पत्ते– 4

कैसे बनाएं काढ़ा

ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को 2 कप पानी में डालकर अच्छे से उबाल लें।

फिर जब यह आधा रह जाए, तो इसको छान लें।

इस काढ़ा को गुनगुना पिएं।

कुछ ही दिनों में आपको राहत मिलेगी।

सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने के 7 गजब के फायदे

भारत के घरों में हल्दी एक अनमोल मसाला है, जो न केवल खाने को स्वादिष्ट बनाता है, बल्कि इसके स्वास्थ्य लाभ भी अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। सुबह खाली पेट हल्दी के पानी का सेवन करने से आपके शरीर को कई अद्भुत फायदों का अनुभव होता है। यह प्राकृतिक उपचार न केवल आपके पाचन को बेहतर बनाता है, बल्कि आपकी इम्युनिटी को भी मजबूत करता है। जानिए, कैसे रोजाना हल्दी का पानी पीने से आप अपने स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं!

वजन घटाने में मदद

सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। हल्दी पेट की चर्बी को पिघलाने में प्रभावी होती है, जिससे आपको अपने वजन को कंट्रोल करने में सहायता मिलती है। इसके नियमित सेवन से मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है, जिससे शरीर में चर्बी कम करने की प्रक्रिया तेज होती है। इस तरह, हल्दी का पानी आपके वजन घटाने के प्रयासों को और भी प्रभावी बनाता है।

पाचन शक्ति में सुधार

हल्दी का पानी पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह अपच, गैस, और एसिडिटी की समस्याओं में राहत प्रदान करता है। सुबह–सुबह हल्दी का पानी पीने से शरीर डिटॉक्स होता है, जिससे आपको तरोताजा और हल्का महसूस होता है। इसके एंटी–इंफ्लामेटरी गुण भी पेट की सूजन को कम करते हैं, जिससे आपकी पाचन क्रिया और भी सुचारू होती है। नियमित रूप से हल्दी का पानी पीने से आप बेहतर पाचन और ऊर्जा स्तर का अनुभव कर सकते हैं।

एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज

हल्दी में मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। सुबह के समय हल्दी का पानी पीने से पेट और चेहरे की हल्की सूजन में आराम मिलता है। यह गुण विशेष रूप से तब फायदेमंद होता है जब आप सुबह उठने के बाद किसी तरह की सूजन का अनुभव कर रहे हों। नियमित रूप से हल्दी का पानी पीने से न केवल आपके शरीर की सूजन कम होती है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

इम्युनिटी बूस्टर

हल्दी में एंटी–माइक्रोबियल और एंटी–ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो रोग–प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने से आप मौसमी बीमारियों और संक्रमणों से बच सकते हैं। विशेषकर मानसून के मौसम में, जब फ्लू और जुकाम आम होते हैं, हल्दी का पानी एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है। नियमित सेवन से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे आप स्वस्थ और सक्रिय रहते हैं।

स्किन के लिए लाभदायक

हल्दी में ऐसे विशेष तत्व पाए जाते हैं जो त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करते हैं। इसका नियमित सेवन त्वचा को युवा और चमकदार बनाए रखता है, जबकि कील–मुहांसों की समस्या को भी कम करता है। सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने से त्वचा की सेहत में सुधार होता है, जिससे आप अधिक तरोताजा और स्वस्थ महसूस करते हैं। इसके अलावा, हल्दी का एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की सूजन को कम करने में भी सहायक होता है, जिससे आपकी त्वचा का रंग निखरता है।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करना

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है, जो शरीर में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित करता है। यह डायबिटीज से बचने में मदद करता है और रक्त में इंसुलिन के घुलने की प्रक्रिया को धीमा करता है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

हल्दी का पानी हृदय की सेहत को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके एंटी–इंफ्लामेटरी गुण और करक्यूमिन तत्व कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने से रक्त परिसंचरण में सुधार होता है, जो दिल की सेहत को मजबूत बनाता है। यह आपके हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक है और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

किन्हें परहेज करना चाहिए?

हालांकि हल्दी के पानी के फायदों की सूची लंबी है, लेकिन कुछ लोगों को इसे पीने से परहेज करना चाहिए

गर्भवती महिलाएं उन्हें हल्दी के अधिक सेवन से बचना चाहिए। खून पतला करने की दवा लेने वाले हल्दी का सेवन रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। गैस्ट्रिक समस्याएं यदि आपको गैस्ट्रिक समस्या है, तो हल्दी के पानी का सेवन सीमित करें। एलर्जी अगर आपको हल्दी से एलर्जी है, तो इसका सेवन न करें। सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीना एक सरल और प्रभावी तरीका है स्वास्थ्य को बनाए रखने का। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसके फायदों का अनुभव करें।

हार्ट अटैक आने से पहले शरीर को मिलते हैं ये 5 संकेत, पहले से रहें अलर्ट

हमारा शरीर अक्सर हमें ऐसे संकेत देता है जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं, लेकिन हम इन्हें अनदेखा कर देते हैं। हार्ट अटैक जैसे खतरनाक हालात से बचने के लिए यह जरूरी है कि हम अपने शरीर के इन संकेतों को समझें। एक हेल्थ एक्सपर्ट ने कुछ अजीब लक्षणों के बारे में बताया है, जो हार्ट अटैक की संभावना को दर्शाते हैं। आइए, जानते हैं ये लक्षण क्या हैं।

धड़कन तेज होना

यदि आपकी दिल की धड़कनें अचानक तेज हो जाती हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह संकेत हो सकता है कि आपका दिल सही तरीके से कार्य नहीं कर रहा है। तेज धड़कनें हृदय से जुड़े किसी आघात के होने का संकेत हो सकती हैं, इसलिए इसे गंभीरता से लें।

कान में आवाजें आना

कान में आवाजें आना, जिसे टिनिटस कहा जाता है, एक अन्य महत्वपूर्ण संकेत है। यह समस्या अक्सर महिलाओं में देखी जाती है और इसका संबंध हृदय रोग से हो सकता है। अगर आपको कानों में भिनभिनाहट या गर्जन जैसी आवाजें सुनाई देती हैं, तो यह हार्ट स्ट्रोक का भी संकेत हो सकता है।

पैरों में दर्द होना

अगर आप थोड़ी दूरी चलने पर पैरों में दर्द या ऐंठन का अनुभव कर रहे हैं, तो इसे हल्के में न लें। यह संकेत हो सकता है कि आपके दिल की धड़कनें सही नहीं हैं। पैरों की नसों में होने वाला दर्द हृदय की स्वास्थ्य स्थिति को दर्शा सकता है।

अंगों में सूजन

यदि आपको अपने पैरों, टखनों या बाहों में सूजन महसूस होती है, तो यह हार्ट फेलियर का संकेत हो सकता है। इस स्थिति को एडिमा कहा जाता है, और यह तब होती है जब शरीर के टिश्यू में फ्लूइड जमा हो जाता है। यह संकेत यह भी दर्शाता है कि आपका दिल रक्त को सही से पंप नहीं कर पा रहा है।

पाचन संबंधी समस्याए

अगर आपको सीने में जलन, पेट दर्द, डकार या अपच की समस्या महसूस हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह हृदय रोग का संकेत हो सकता है, भले ही आप इसे पाचन संबंधी समस्या मानें। सीने में दर्द अक्सर हार्ट अटैक का स्पष्ट संकेत हो सकता है।

दिल की सेहत का ख्याल कैसे रखें

अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सरल उपाय अपनाएं

स्वस्थ आहार संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करें। व्यायाम रोजाना एरोबिक्स या साइकलिंग जैसी एक्सरसाइज करें। धूम्रपान से बचें तंबाकू उत्पादों का सेवन न करें।वजन पर ध्यान अपने वजन को नियंत्रित रखें। नियमित जांए समय–समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच करवाते रहें। हार्ट अटैक के लक्षणों को पहचानना और समय पर उचित कदम उठाना जीवन को बचाने में मदद कर सकता है। यदि आप इन संकेतों में से किसी का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। आपकी स्वास्थ्य सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है!

गमलों के जिद्दी दागों से छुटकारा दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे, चमक जाएगी फर्श

अक्सर घरों में गमलों की भरमार देखने को मिलती है। जिन लोगों को गार्डनिंग का अधिक शौक होता है। वह छत, कमरों और बालकनी में प्लांट या फ्लावर प्लांट रखते हैं। बालकनी में रखे गमले घर की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। घर में प्लांट लगे होने से हरियाली के साथ सुकून का भी एहसास होता है। हालांकि कई बार इन गमलों के कारण फर्श पर जिद्दी दाग बन जाते हैं। एक ही स्थान पर लंबे समय तक गमले रखने से जिद्दी दाग पड़ जाते हैं। कई बार साफ–सफाई के बाद भी गमलों के जिद्दी दाग फर्श से पूरी तरह से साफ नहीं हो पाते हैं। ऐसे में अगर आपके घर की फर्श पर भी गमलों के जिद्दी दाग पड़ गए हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेहतरीन टिप्स देने जा रहे हैं। जिनकी मदद से बालकनी की फर्श से दाग बिलकुल गायब हो जाएंगे।

नमक और नींबू का रस

फर्श से गमलों के दागों को साफ करने के लिए नींबू का रस और नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले एक बाउल में नमक लें और उसमें नींबू का रस मिला दें। अब गमलों के निशान वाली जगह पर इस पेस्ट को लगा दें। फिर थोड़ी देर बाद फर्श को रगड़कर साफ कर लें।

बेकिंग सोडा और पानी

गमलों की वजह से फर्श पर पड़े जिद्दी दागों को हटाने के लिए बेकिंड सोडा भी कारगर है। आप पानी में 3–4 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर निशान वाली जगह पर 10 मिनट के लिए लगाएं। फिर क्लीनिंग ब्रश की मदद से फर्श को साफ करें। इससे फर्श पहले जैसी हो जाएगी।

सिरका और पानी

आप विनेगर को एक क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। यह गमलों के दागों को हटाने का एक बेहतरीन ऑप्शन है। सफेद सिरका और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर घोल बना लें। अब इस घोल को गमलों के निशान वाली जगह पर स्प्रे कर थोड़ी देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर स्पंज या ब्रश की मदद से हल्के से रगड़कर फर्श को साफ कर लें।

टी–ट्री ऑयल और पानी

प्लांट या फ्लावर पॉट की वजह से फर्श पर गंदे निशान पड़ जाते हैं। इन निशानों को मिटाने में टी–ट्री ऑयल काफी मददगार साबित हो सकता है। टी–ट्री ऑयल की कुछ बूंदे पानी में मिलाकर इसे निशानों वाले जगह पर स्प्रे कर कुछ समय के लिए छोड़ दें। फिर ब्रश या कपड़े की मदद से फर्श को रगड़कर साफ कर लें।

अमोनिया पाउडर

फर्श से गमलों के निशान को हटाने में अमोनिया पाउडर भी लाभकारी होता है। 3–4 कप पानी में 3–4 चम्मच अमोनिया पाउडर को घोलकर इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें। फिर निशान वाली जगह पर स्प्रे कर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब 10 मिनट बाद क्लीनिंग ब्रश से रगड़कर फर्श को साफ कर लें।

संक्षिप्त

सेंसेक्स ने बनाया रिकॉर्ड, पहली बार 85 हजार का आंकड़ा किया पार, निफ्टी भी नए रिकॉर्ड पर

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत हुई है। बाजार खुलने के कुछ ही समय के बाद सेंसेक्स और निफ्टी ने नए रिकॉर्ड कायम किए है। सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चौथे सत्र में नए रिकॉर्ड पर पहुंचे है। बीते सप्ताह फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में की गई कटौती के बाद भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी जारी रही है। इस दौरान बीएसई मेटल इंडेक्स में 2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। वहीं तेल एवं गैस, पावर इंडेक्स में 0.5: की बढ़त रही। हालांकि, आईटी इंडेक्स में 0.5: की गिरावट दर्ज हुई है। सेंसेक्स पहली बार 85,000 के पार चला गया और 85,023 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 25,971 अंक की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। लगभग 1,823 शेयरों में बढ़त हुई, 1,259 शेयरों में गिरावट आई तथा 122 शेयरों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। निफ्टी पर सर्वाधिक लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, पावर ग्रिड कॉर्प और अडानी एंटरप्राइजेज शामिल रहे, जबकि सर्वाधिक नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचयूएल, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, डिविस लैब्स और एचडीएफसी लाइफ शामिल रहे। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रुपये ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया और यह तीन पैसे कमजोर होकर 83.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। वह 83.54 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.54 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़त के साथ 100.92 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.57 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 404.42 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रिलायंस होम फाइनेंस मामले में अनिल अंबानी की बढ़ी मुसीबत, बेटे पर सेबी ने लगाया जुर्माना, देनी होगी इतनी राशि

अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब अनिल अंबानी के बेटे अनमोम अंबानी पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस में कथित अनियमितताओं को लेकर ये जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक का कहना है कि जय अनमोल ने जीपीसीएल ऋण और इन जीपीसीएल संस्थाओं द्वारा रिलायंस कैपिटस समेत अन्य रिलायंस एडीएजी समूह की कंपनियों को दिए ऋण के संबंध में पर्याप्त परिश्रम नहीं किया है। सेबी का कहना है कि जय अनमोल ने वीजा कैपिटल पार्टनर्स को 20 करोड़ रुपये और एक्यूरा प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड को 20 करोड़ रुपये का असुरक्षित ऋण मंजूर किया है। सेबी ने कहा, यह साफ है कि नोटिस 1 (जय अनमोल अंबानी) पूरे प्रकरण में अपनी भूमिका को कमतर आंकने के इरादे से गलत बयानी कर रहा है। यह स्पष्ट है कि ईमेल उसे एक ही शब्द ''अनुमोदन'' के साथ भेजे गए थे, इस प्रकार अनुमोदन की मांग की गई और नोटिस 1 ने दोनों ईमेल का जवाब एक ही शब्द ठीक है के साथ दिया, जिससे उसकी स्वीकृति मिल गई। जय अनमोल कंपनी के दिन–प्रतिदिन के कामकाज में शामिल थे और प्रमोटर–संबंधित संस्थाओं को जीपीसीएल ऋण भी स्वीकृत कर रहे थे, उन्होंने कहा, उनका यह कहना कि वह कंपनी के दिन–प्रतिदिन के मामलों में शामिल नहीं थे, स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह तब हुआ जब सेबी ने अनिल अंबानी को पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। उन पर कथित तौर पर श्धोखाधड़ी योजनाश में शामिल होने का आरोप है, जिसके कारण पांच साल पहले रिलायंस होम फाइनेंस से फंड डायवर्ट किया गया था। सेबी ने अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया और उन्हें पांच साल के लिए किसी भी सूचीबद्ध कंपनी या बाजार मध्यस्थ में प्रमुख प्रबंधकीय या निदेशकीय भूमिका निभाने से रोक दिया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर भारत की पहली एयर ट्रेन चलेगी, जानें इसके बारे में रोचक जानकारी

दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर यात्रियों को सैंकड़ों सुविधाएं मिलती है। इसी कड़ी में एक और सुविधा यात्रियों को मिलने जा रही है। इसे लेकर दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने निविदा भी जारी कर दी है। इसके अनुसार टर्मिनल 1, 2 और 3 पर आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एयर ट्रेन या स्वचालित पीपुल मूवर (एपीएम) के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया गया है। इस एयर ट्रेन में चार स्टॉप की व्यवस्था भी की गई है। गौरतलब है कि यह भारत में पहली हवाई ट्रेन होने वाली है। इसकी 2027 तक शुरुआत हो सकती है। इस ट्रेन के 4 स्टॉप होंगे – टर्मिनल 2/3, टर्मिनल 1, एयरो सिटी और कार्गो सिटी। जानकारी के मुताबिक इस एयर ट्रेन को डीटीसी बसों के विकल्प के तौर पर पेश किया जाएगा। इसका उपयोग अभी यात्री दो दूर टर्मिनलों के बीच करते हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि ऑपरेटर को इसके लिए अक्टूबर और नवंबर में बोलियां मिल सकती है। बोली कौन जीतेगा इसका निर्णय विभिन्न पक्षों द्वारा कोट की गई लागत और अन्य कारकों के आधार पर किया जाएगा। टर्मिनलों के बीच निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यात्रियों के लिए एयर ट्रेनों का उपयोग विश्व स्तर पर लंबे समय से किया जा रहा है। ये सुविधा एयरपोर्ट पर निःशुल्क है।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का मुरीद हुआ यह पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, वसीम-अख्तर और वकार से की तुलना

कराची। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गाय। टीम इंडिया ने इस मैच में 280 रन से जीत हासिल की। भारतीय क्रिकेट टीम की 280 रन की शानदार जीत पर दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान में 2–0 से टेस्ट सीरीज जीतने के बाद सीरीज खेलने आई है। ऐसे में भारतीय टीम की जीत ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स को खुश कर दिया। पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान बासित अली ने भारतीय टीम की तारीफ की है। पहले टेस्ट में आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और शुभमन गिल भारत के लिए मैच विनर बनकर उभरे। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय टीम के गेंदबाजी आक्रमण की तुलना पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी तिकड़ी वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस से की है। उन्होंने कहा, 'भारतीय गेंदबाजी यूनिट इतनी प्रभावशाली है कि वे तेज गेंदबाजों वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस की याद दिलाते हैं।' बासित ने अपने यूट्यूब चौनल पर स्वीकार किया कि टखने की सर्जरी से उबर रहे मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय गेंदबाजी लाइनअप काफी मजबूत दिख रही है। भारतीय टीम को इस साल के आखिर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है और बासित का मानना है कि लखनऊ सुपरजाएंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव के जुड़ने से भारत का तेज गेंदबाजी आक्रमण और भी आकर्षक और मजबूत बन सकता है। उन्होंने कहा, 'मयंक यादव की गेंद काफी खतरनाक है। उनका बाउंसर सटीक है। मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेलते हुए देखना चाहता हूं।' बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चौंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फिलहाल भारत का अंक प्रतिशत 71.67 है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड का नंबर आता है। पूरी संभावना है कि फाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया या भारत और श्रीलंका में से किसी एक के बीच खेला जा सकता है।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर आईसीसी का ऐलान, टूर्नामेंट में अंपायर और मैच रेफरी होंगी सिर्फ महिलाएं

आगामी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए आईसीसी ने बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, पहली बार पूरे इवेंट में महिला मैच अधिकारियों का पैनल बनाया गया है। मैच रेफरी हो या फिर अंपायर इस बार विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में महिलाएं ही सारी जिम्मेदारी संभालेंगी। बता दें कि, आईसीसी की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। इसके लिए 10 अंपायर और 3 मैच रेफरी समेत कुल 13 मैच ऑफिशियल की घोषणा की गई है। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत 3 अक्टूबर से होगी और फाइनल 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को इसकी मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में करनी पड़ी रही है। क्योंकि बांग्लादेश में तख्ता पलटने से वहां के हालात भी खराब हो गए थे। ऐसे में आईसीसी ने इसे यूएई में शिफ्ट कर दिया था। वहीं इस मेगा टूर्नामेंट के लिए अनुभवी अंपायरों को भी पैनल में जगह मिली है, जिनको पहले से टी20 वर्ल्ड कप में अंपायरिंग करने का अनुभव है। इनमें क्लेयर पोलोसाक पांचवीं बार टी20 वर्ल्ड कप में अंपायरिंग करेंगी, जबकि किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स चौथी बार अंपायर की जिम्मेदारी संभालेंगी। पिछले फाइनल में सू रेडफर्न टीवी अंपायर थीं। वह भी चौथी बार मेगा इवेंट में अंपायर होंगी। जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना पहली बार टूर्नामेंट में मैच ऑफिशियल्स की भूमिका में होंगी। जीएस लक्ष्मी, शैंड्रे फ्रिट्ज और मिशेल परेरा को मैच रेफरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जीएस लक्ष्मी को 12 साल का अनुभव है। आईसीसी के अंपायर्स और मैच रेफरी के सीनियर मैनेजर सीन ईजी ने कहा है कि, आईसीसी को हमारे खेल में महिलाओं की उन्नति में योगदान देने पर गर्व है। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की इस पूरी तरह से महिला लाइनअप की घोषणा करना अद्भुत है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए मैच ऑफिशियल्स

मैच रेफरी– शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिचेल परेरा।

मैच अंपायर– लॉरेन एजेनबैग, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन और जैकलीन विलियम्स।

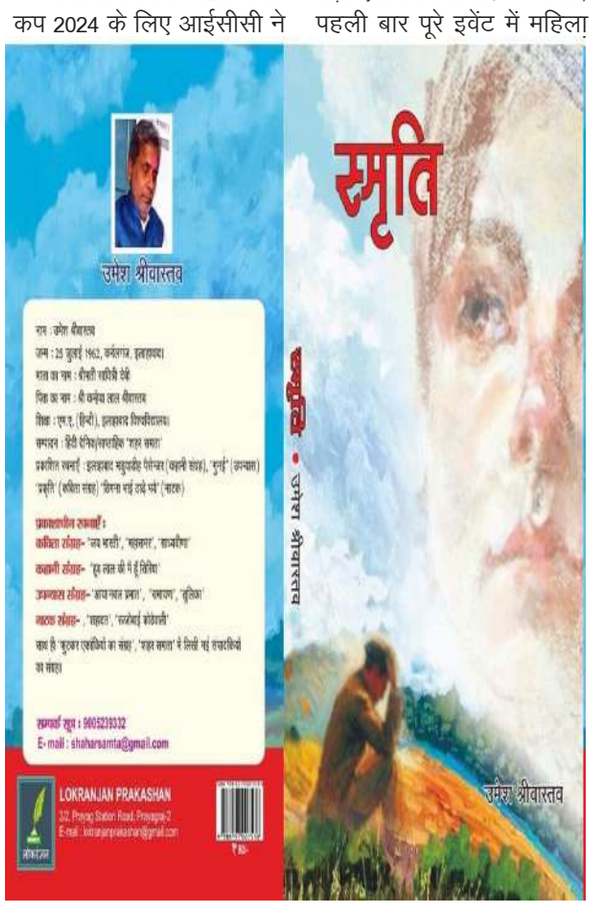

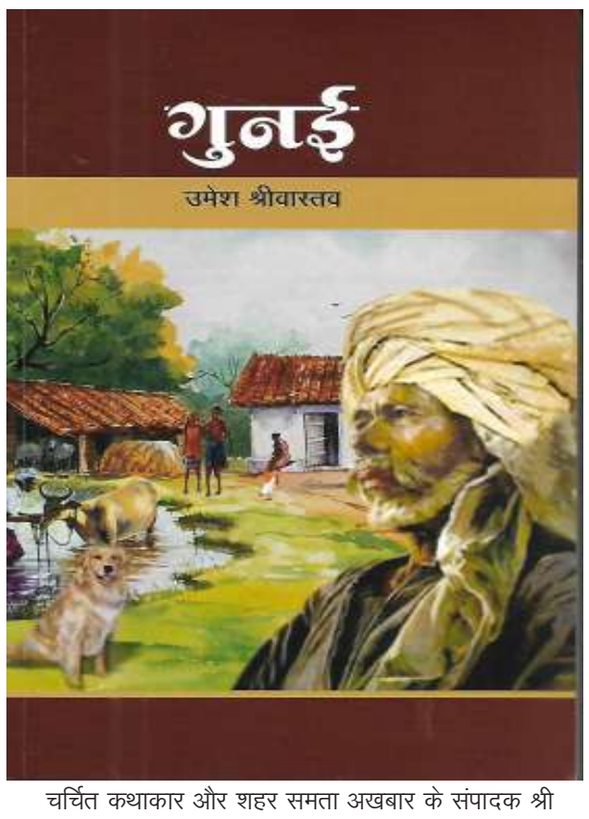

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

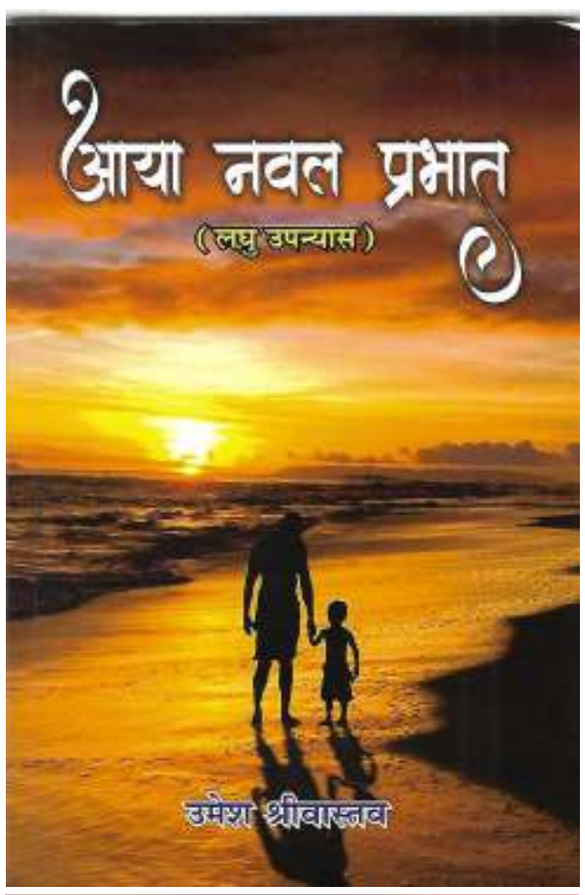

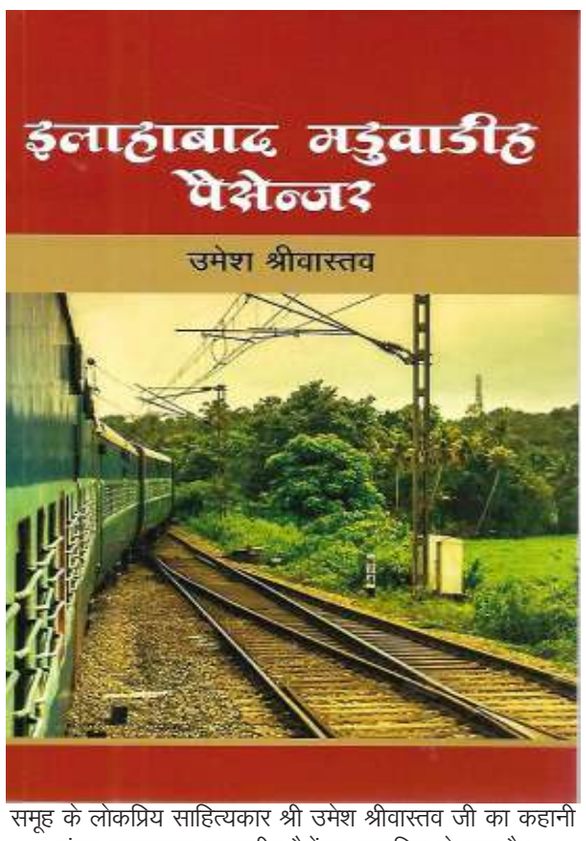

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

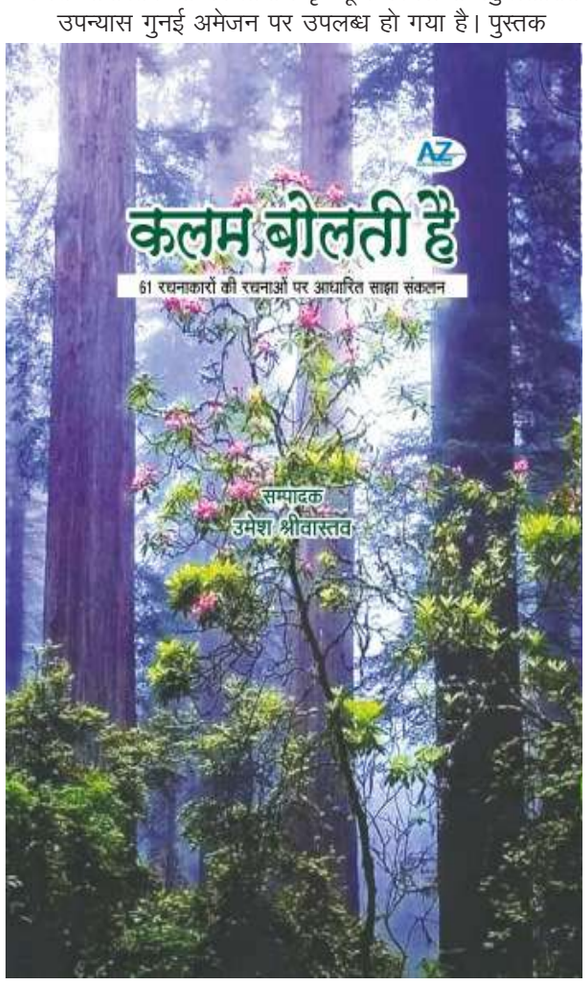

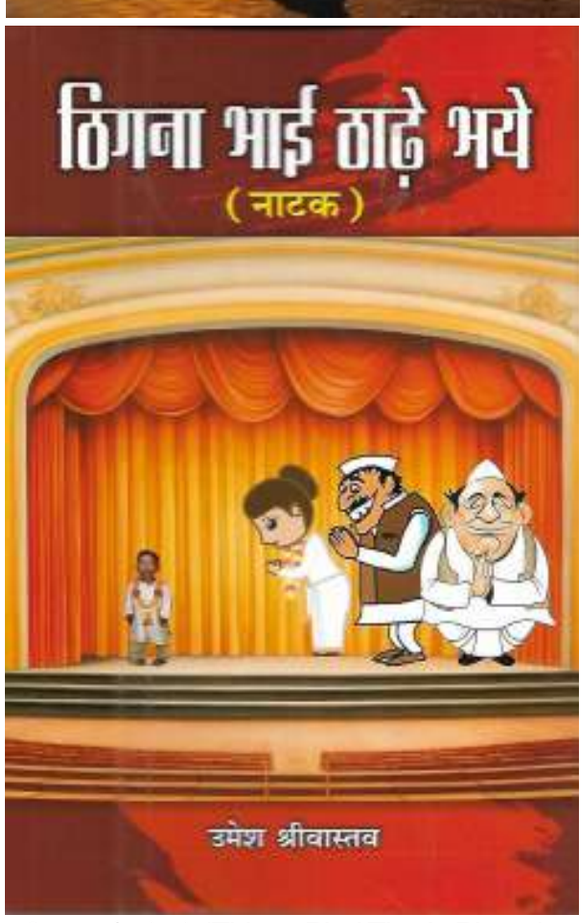

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पीएम मोदी और जेलेंस्की की न्यूयार्क में हुई मुलाकात, भारत ने युद्ध का अंत ढूंढने का किया आह्वान

अमेरिकी डरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के साथ विपक्षीय बैठक की है। एक महीने में दोनो नेताओं की ये दूसरी बैठक है। यूक्रेन के दौरे पर पीएम मोदी अगस्त में गई थे जब दोनो नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस दौरान पीएम मोदी ने यूक्रेन में शांति स्थापित करने की कोशिश करने के इच्छा जताई थी। पीएम मोदी और जेलेनस्की के बीच हुई बैठक में फैसला हुआ

के शांति के बिना विकास संभव नहीं है। युद्ध खत्म होना भविष्य की बात है, मगर सभी की कोशिश युद्ध का अंत ढूंढने पर है। मोदी इस मामले पर कई देशों के नेताओं से मिलते है। सभी की एक दिशा में काम करने की इच्छा है कि किसी तरह युद्ध खत्म हो और शांति स्थापित की जाए। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति जनरल की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा करने पहुंचे थे। दोनों देशों के बीच वर्ष 1992 से राजनीतिक संबंध है, मगर अब तक किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने यूक्रेन की यात्रा नहीं की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। यात्रा के बाद एक सेट बयान में दोनों नेताओं ने कहा था कि भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी और राजनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार ने जयशंकर से की मुलाकात, आपसी संबंधों को बढ़ाने पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में यूएनजीए 79 से इतर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने बांग्लादेश एवं भारत के बीच परस्पर हित के मुद्दों पर चर्चा की और संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। यह जानकारी बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दी।

आपसी हितों के मामलों पर चर्चा

यह बैठक सोमवार शाम (स्थानीय समय) संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान हुई। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार सुबह एक्स पर बैठक की तस्वीर पोस्ट की। मंत्रालय ने कहा कि तौहीद ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र से इतर भारत के विदेशमंत्री जयशंकर से मुलाकात की और आपसी हितों के मामलों पर चर्चा की।

पाकिस्तानी नेता अल्ताफ हुसैन का दावा- देश में संसद का कोई महत्व नहीं, सेना है एक मात्र सत्ता

लंदन पाकिस्तान के एक राजनीतिक दल मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक और नेता अल्ताफ हुसैन पाकिस्तान आर्मी को लेकर लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि, देश की संसद स्वायत्त नहीं है, न्यायपालिका में स्वतंत्रता का अभाव है, और पाकिस्तान में सेना ही एकमात्र सत्ता है। अपने 71वें जन्मदिन के अवसर पर लंदन में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए मुस्लिम नेता अल्ताफ हुसैन ने दावा कि पाकिस्तान में संसद का कोई दर्जा नहीं है। असली ताकत सेना के पास है। लोग शर्म से विवश हैं। लोगों पर अन्यायपूर्ण अत्याचार करने वाली ताकतों के खिलाफ जिहाद छेड़ना जायज और जरूरी है। मुस्लिम नेता अल्ताफ हुसैन का यह कार्यक्रम उत्तरी लंदन के बर्न्ट ओक के एक स्थानीय हॉल में आयोजित किया गया था। इसमें लंदन, बर्मिंघम, मैनचेस्टर, ब्रैडफोर्ड, लीसेस्टर, ब्राइटन और अन्य शहरों से सैकड़ों लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में पंजाबी, पख्तून, बलूच, सिंधी, सरायकी या मुहाजिर जैसी जातीय पृष्ठभूमि के अस्तित्व को नकारना वास्तविकता को झुठलाना है। उन्होंने कहा, यह पहचान एक प्राकृतिक तथ्य है, न कि कोई मानवीय रचना और इसे नकारना भगवान के अस्तित्व का ना मानने के समान है। लेकिन इसका उद्देश्य कभी भी पहचान के आधार पर घृणा, उत्पीड़न को बढ़ावा देना या दूसरों को पीड़ा पहुंचाना नहीं होना चाहिए। अल्ताफ हुसैन ने उन लोगों पर भी हमला किया जिन्होंने उन्हें ष्देशद्रोहीष करार दिया है। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि, पूरे पंजाब ने मुझे देशद्रोही और भारतीय एजेंट बताया जा रहा है। इसी तरह साई जीएम सैयद, बाचा खान, शेख मुजीब उर रहमान और बलूच विरोधियों को भी देशद्रोही करार दिया जा रहा है। जब उन्होंने (विरोधियों) इमरान खान पर देशद्रोही और यहूदी एजेंट होने का आरोप लगाया तो लोगों की भी यही भावनाएं थीं।

पाक सेना सिर्फ पंजाबी और पठान की है

पाकिस्तानी नेता ने कहा कि, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की जनता ने इमरान खान को देशद्रोही और यहूदी एजेंट मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनके दिमाग में यह बात बैठ गई थी कि पंजाबी और पठान देशद्रोही नहीं हो सकते हैं। हुसैन ने कहा कि सेना में मुख्य रूप से 80 प्रतिशत पंजाबी और 20 प्रतिशत पश्तून हैं। उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) को दिग्गजों का पूर्वज बताया और आसिफ अली जरदारी को पूरे देश को प्रभावित करने वाली बीमारी करार दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी पहचान के आधार पर परेशान नहीं किया जाना चाहिए और न ही किसी उत्पीड़क का समर्थन सिर्फ इसलिए करना चाहिए क्योंकि उनकी पहचान एक जैसी है।

महिलाओं की भागीदारी के बिना कोई भविष्य नहीं, अफगानिस्तान के हालात पर संयुक्त राष्ट्र में उठी आवाज

अफगान महिलाओं ने मतदान करने का अधिकार, लगभग एक सदी पहले हासिल कर लिया था। मगर आज तालेबान शासन में, महिलाओं को वास्तव में सार्वजनिक जीवन से गायब कर दिया गया है और उन्हें गीत गाने–गुनगुने तक से रोक दिया गया है।

यूएन के मुख्यालय में हुआ कार्यक्रम

इस तरह की रौंगटे खड़े कर देने वाली आपबीतियां और विचार, अफगान महिलाओं और दुनिया भर में उनके समर्थकों ने सोमवार को यूएन मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का आयोजन अफगान समाज में महिलाओं की भागेदारी और उनके अधिकारों को आगे बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए किया गया था।

मामलों में महिलाओं को सार्थक ढंग से शामिल किया जाए

अफगानिस्तान की राजनयिक रह चुकी और अब अफगानिस्तान पर महिलाओं के फोरम के लिए काम कर रहीं असीला वारदक ने कहा, श्अब, पहले से कहीं अधिक ये बहुत अहम है कि अफगानिस्तान के भविष्य से संबंधित तमाम मामलों में महिलाओं को सार्थक ढंग से शामिल किया जाए।श असीला वारदक ने जोर देकर कहा कि देश का भविष्य आधी आबादी को अलग–थलग करके नहीं बनाया जा सकता है। साथ ही ये कि महिलाओं को समाधान का हिस्सा बनाया जाए, नाकि उन्हें दरकिनार कर दिया जाए।

इन लोगों की मदद से हुआ कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का सहआयोजन आयरलैंड, इंडोनेशिया, स्विटजरलैंड और कतर ने, 'अफगानिस्तान पर महिला फोरम' के साथ मिलकर किया। यह फोरम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करता है कि देश के भविष्य के बारे में किसी भी संवाद और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्णय–प्रक्रिया में, अफगान महिलाओं को शामिल किया जाए। यह कार्यक्रम यूएन महासभा के 79वें सत्र की

उच्चस्तरीय जनरल डिबेट शुरू होने से एक दिन पहले आयोजित किया गया। यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश ने भी, अपनी भारी व्यस्तता के बावजूद, इस कार्यक्रम की शुरुआत में शिरकत करके, अफगान महिलाओं के लिए, अंतराष्ट्रीय एकजुटता प्रकट की।

महिलाओं की आवाजों को बुलंद करना जारी रखेंगे

उन्होंने कहा, 'हम अफगान महिलाओं की आवाजों को बुलंद करना जारी रखेंगे और उनसे देश के जीवन में अपनी पूर्ण भूमिका निभाने की पुकार लगाते हैं, देश की सीमाओं के भीतर और वैश्विक स्तर पर।'

अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा...

एंतोनियो गुटेरेश ने एलान करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र दुनिया भर में कहीं भी, लिंग आधारित भेदभाव को एक सामान्य स्थिति बन जाने की इजाजत कभी भी नहीं देगा। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा है उसकी तुलना, हाल के अतीत में, कुछ अति दमनकारी व्यवस्थाओं के साथ की जा सकती है। तालेबान ने अगस्त 2021 में सत्ता में वापसी के बाद से ही, महिलाओं व लड़कियों के अधिकारों में लगातार कटौती की है। देश में सत्ताधीन ताकत के रूप में तालेबान ने, 70 से अधिक आदेश, निर्देश और फतवे जारी किए हैं, जिनमें लड़कियों की प्राथमिकी स्तर की शिक्षा को सीमित किया जाना और महिलाओं को पार्कों, जिन और अन्य सार्वजनिक स्थानों के प्रयोग करने से भी रोक लगा दी गई है।

हमें बहुत जोखिम भरे हालात में मिल रहारू स्वीडन की पूर्व विदेश मंत्री

स्वीडन की पूर्व विदेश मंत्री और 'अफगानिस्तान पर महिला फोरम' की अध्यक्ष मारगॉट वॉलस्ट्रॉम ने इस कार्यक्रम का संचालन करते हुआ कहा कि हमें बहुत जोखिम भरे हालात में मिल रहा है। अफगानिस्तान में इस समय एक महिला होना, शायद इतिहास में सबसे खतरनाक बात है। उन्होंने कहा, तालेबान का नवीनतम आदेश महिलाओं को ख़ामस कर देना चाहता है, जिसमें उनके गाने–गुनगुनाने पर भी पाबंदी है, और उन्हें अदृश्य बना देना चाहता है। अलबत्ता यहां संयुक्त राष्ट्र में नहीं। आज हम उनकी आवाजों और उनकी चिंताओं को सुनेंगे। अफगानिस्तान की महिला मामलों की मंत्री रह चुकीं हबीबा सराबी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से, सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1325 (2000) को लागू किए जाने की मांग की, जिमसें शांति व सुरक्षा प्रयासों में, महिलाओं की भूमिका की पुष्टि की गई है। उन्होंने साथ ही, अन्य सिफारिशों के अलावा, महिलाओं के विरुद्ध तमाम तरह के भेदभाव के उन्मूलन पर यूएन कन्वेंशन पर अमल किए जाने का भी आग्रह किया। इस बीच, अफगान संसद की पूर्व उपाध्यक्ष फौजिया कूफी ने अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए एक पैगाम जारी किया। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, श्यह एक लड़ाई है। हम इसे जीतकर रहेंगे। फौजिया कूफी ने सुरक्षा परिषद से, अफगानिस्तान के मुद्दे पर एकजुट होने का आहवान करते हुए, देशों से, अपने राजनैतिक मतभेद एक तरफ रख देने का आग्रह भी किया, क्योंकि अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा है, उसके सुरक्षा नतीजे आपकी राजधानियों में भी हो सकते हैं, भले ही अगर मानवाधिकार प्रभाव नहीं भी हों।

नहीं रूक रहा इजरायल, भीषण हमले में 500 की मौत, आम लेबनानियों के लिए नेतन्याहू का बड़ा संदेश

इजरायल–हिजबुल्लाह संघर्ष के सबसे घातक हमले में इजरायली हवाई हमलों में 492 लोग मारे गए, जिनमें 90 से अधिक महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इजरायली सेना ने देश में एक उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह पर हवाई हमलों को बढ़ाने से पहले दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के निवासियों को खाली करने की चेतावनी दी थी। हजारों लेबनानी दक्षिण की ओर भाग गए, और दक्षिणी बंदरगाह शहर सिडोन से बाहर निकलने वाला मुख्य राजमार्ग बेरूत की ओर जाने वाली कारों से जाम हो गया।

घर छोड़कर जा रहे लोग

हमलों के बाद हजारों लोगों ने दक्षिण लेबनान छोड़ना शुरू

कर दिया है। सरकार ने घोषणा की है कि देश के कुछ हिस्सों में स्कूलों को उन नागरिकों के लिए शरण स्थलों के रूप में खोला जाएगा, जो दक्षिणी क्षेत्रों से निकाले गए हैं। देश में स्कूलों को जल्दी बंद कर दिया गया। लोग अपने बच्चों को लेने तुरंत स्कूल पहुंचे। लेबनानी मीडिया के मुताबिक, बेरूत, त्रिपोली, पूर्वी और दक्षिणी लेबनान में इमारतों को विस्थापित लोगों के लिए खोला जा रहा है। पर्यावरण मंत्री नासिर यासीन ने बताया कि माउंट लेबनान, सैदा में भी स्कूल खोले गए हैं।

लेबनान के पीएम ने इसे बताया विनाशकारी

लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने हमलों को विनाशकारी बताया। मिकाती ने न्छ महासभा में जाने का प्लान टाल दिया। इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, हम खतरे का इंतजार नहीं करते। इस्राइली सेना ने पर हमलों की जानकारी दी। इसमें आर्मी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हेरजी हलेवी हेडक्वॉर्टर से और भी हमले करने की मंजूरी देते हुए दिख रहे हैं। हमलों के दौरान, नॉर्थ इस्राइल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। उधर, अमेरिका ने फैसला किया है कि मिडिल ईस्ट में बढ़ती चिंता के मद्देनजर और ज्यादा फोर्स वहां भेजी जाएगी। अभी इस क्षेत्र में अमेरिका के वि 40 हजार जवान तैनात हैं।

पाकिस्तान में फेसबुक पोस्ट को लेकर युवक पर एफआईआर, अमेरिका ने यूएनएससी में सुधार का किया समर्थन

पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इस बीच, लेबनान में इस्राइली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 492 हो गई है। एसोसिएटेट प्रेस ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इस्राइल की ओर से बीते पांच दिनों से लेबनान में लगातार हमले हो रहे हैं। उधर, पाकिस्तान में सोमवार को एक निजी एयरलाइन के विमान में आग लगने की घटना हुई। विमान यात्रियों से भरा था। हालांकि, बड़ा हादसा होते–होते टल गया, जब उसने लाहौर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग की। पाकिस्तान के विमानन प्राधिकरण के अनुसार, फ्लाई जिन्ना की उड़ान एफएल–846 कराची से लाहौर के लिए रवाना हुई थी। विमान में 171 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। पाकिस्तान पुलिस ने चिचावतनी के एक 25 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ उसके फेसबुक पोस्ट को लेकर ईशनिंदा के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, चक 107/12–एल में रहने वाला संदिग्ध पहले इस्लामाबाद में सीनेट के लिए काम करता था, लेकिन उसे उसके पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

अमेरिका ने किया यूएनएससी में सुधार का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र के श्समिट ऑफ द फ्यूचरश को संबोधित करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की जरूरत है, ताकि यह विकासशील देशों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सके और समकालीन वैश्विक स्थिति को प्रतिबिंबित कर से। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का मानना है कि इस सुधार में अफ्रीका के लिए दो स्थायी सीट, छोटे द्वीप वाले विकासशील देशों के लिए एक रोटेशनल सीट और लैटिन अमेरिका व कैरीबियाई देश के लिए स्थायी प्रतिनिधित्व शामिल होना चाहिए। ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका ने पहले ही जर्मनी, जापान और भारत के लिए स्थायी सीट का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, अमेरिका यूएनएससी में सुधार पर तुरंत वार्ता शुरू करने का समर्थन करता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यूएन की प्रणाली को इस दुनिया के अनुरूप ढालने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वर्तमान और भविष्य की वास्तविकता को दर्शाए।

सिंगापुर में भ्रष्टाचार के एक मामले में भारत के पूर्व मंत्री दोषी

सिंगापुर के उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के एक मामले में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस ईश्वरन को दोषी ठहराया। अभियोजन पक्ष ने 62 वर्षीय पूर्व मंत्री को छह से सात महीने की जेल की सजा दिए जाने का अनुरोध किया था। ईश्वरन ने कहा था कि वह स्वयं को ईमानदार साबित करने के लिए मुकदमा लड़ेंगे लेकिन सुनवाई के पहले ही दिन उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

यूनुस के खिलाफ न्यूयॉर्क में मोर्चा, अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर बांग्लादेशी नागरिकों का भड़का गुस्सा

वॉशिंगटन। बांग्लादेश में हिंसा तो थम गई, लेकिन तनाव अभी बना हुआ है। यहां अल्पसंख्यकों और उनके धर्म स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में जब यहां की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस न्यूयॉर्क पहुंचे तो उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। दरअसल, जिस होटल में यूनुस रुके हैं, उसके बाहर बांग्लादेशी नागरिक जमा हो गए और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर उनके खिलाफ नारेबाजी की। बता दें, मोहम्मद यूनुस संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 79वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका आए हुए हैं। प्रदर्शन कर रहे शेख जमाल हुसैन ने कहा, श्डॉ मोहम्मद यूनुस ने असंवैधानिक रूप और गलत तरीके सत्ता कब्जा ली। उन्होंने गंदी राजनीति के साथ सत्ता पर कब्जा किया और बहुत सारे लोग मारे गए। अभी तक हमारी निर्वाचित प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा नहीं दिया है। हम संयुक्त राष्ट्र से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि वह यहां बांग्लादेशी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करें। एक अन्य प्रदर्शनकारी डीएम रोनाल्ड ने कहा, हम एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। सत्ता में आने के बाद उन्होंने हिंदुओं, मुसलमानों, ईसाइयों को मारना शुरू कर दिया। बांग्लादेश में हमारे लोग सुरक्षित नहीं हैं।

बांग्लादेश में क्या हुआ? : नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ अभूतपूर्व सरकार विरोधी छात्र नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को हसीना ने इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को अंतरिम सरकार द्वारा प्रतिस्थापित किया गया और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नामित किया गया। बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन के बाद देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए, सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई है। यहां लगातार अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है।

आज स्वदेश लौटेंगे पीएम मोदी, सफल और सार्थक रही तीन दिवसीय यात्रा

अमेरिका में तीन दिवसीय दौरे को समाप्त कर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेश लौटेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की अपनी तीन दिवसीय यात्रा संपन्न करके दिल्ली के लिए रवाना हुए। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में समिट ऑफ द फ्यूचर और क्वाड लीडर्स समिट में भाग लिया। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान कुछ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। पीएम मोदी के दौरे के बारे में जानकारी देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम के साथ बैठक की। पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ बैठक के साथ अपने दिन के कार्यक्रम का समापन किया। सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने बोस्टन और लॉस एंजिल्स में 2 नए वाणिज्य दूतावास खोलने की घोषणा की। संभवतः तीन महीने के अंतराल में दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बैठक है...द्विपक्षीय मुद्दों के साथ–साथ रूस–यूक्रेन संघर्ष से जुड़े मुद्दों पर उनकी चर्चा हुई। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इन मुद्दों पर भारत की सजगता की बहुत सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री च्ड की यात्रा की बहुत सराहना की गई है, शांति और इस संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए प्रधानमंत्री च्ड द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। दोनों पक्षों ने इस बात की सराहना की कि द्विपक्षीय संबंधों में कई मुद्दों पर सकारात्मक तौर पर विकास देखने को मिला है। दोनों पक्ष परस्पर निकट संपर्क में रहने पर सहमत हुए। एक तरह से राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी को यह कहने का भी मौका मिला कि उन्होंने हमेशा शांति का प्रस्ताव लेकर शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने की बात की है, स्पष्ट है कि अगर शांति नहीं है तो सतत विकास भी नहीं हो सकता। युद्ध खत्म होगा या नहीं यह समय ही बताएगा, लेकिन सभी की कोशिश इसी तरह केंद्रित है कि युद्ध का अंत ढूंढा जाए ।

दक्षिण जापान के द्वीपों में तेज भूकंप के झटके, सुनामी की चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने मंगलवार को टोक्यो के दक्षिण में स्थित दूरदराज के द्वीपों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। यह चेतावनी एक शक्तिशाली भूकंप के बाद जारी की गई है। एजेंसी के मुताबिक, अब तक किसी प्रकार का नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि मंगलवार की सुबह इजू द्वीप के तटीय इलाकों के निवासियों ने 5.9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया, जिसके तुरंत बाद क्षेत्र में एक मीटर तक की लहरों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। एजेंसी ने यह भी बताया कि चाचिजो द्वीप के यानेन क्षेत्र में करीब 50 सेंटीमीटर की एक छोटी सुनामी देखी गई। यह समुद्री भूकंप हाचिजो द्वीप के करीब 180 किलोमीटर दक्षिण में आया। यह जगह राजधानी टोक्यो से करीब 300 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित है। एजेंसी ने कहा कि इस दूरदराज के समुद्री भूकंप से भूकंपीय तीव्रता का आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं हुआ। हालांकि, हाचिजो द्वीप के कुछ निवासियों ने यह भी बताया कि उन्होंने भूकंप को महसूस नहीं। बल्कि केवल उन्हें सुनामी चेतावनी मिली। जापान का प्रशांत महासागर क्षेत्र भूकंप और ज्वालामुखियो के लिए बहुत संवेदनशील है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।